www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 211 ||लखनऊ
सोमवार
02 नवम्बर 2026 ||पृष्ठः 08 ||मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:16
सूर्यास्तः 05:23
अधिकतमः 29°00
न्यूनतमः 20°00

पेज 07

विशेष समाचार | गरीबी से मुक्तिः भारत में उम्मीद... >>पेज 04 | वॉकाथॉन पौधरोपण और जुंबा... >>पेज 06 | हैलोवीन पर 'नगीना' के श्रीदेवी...

शिलान्यासः सीएम योगी बोले- उत्तर प्रदेश अब पतन और शोषण की नहीं, बल्कि प्रगति और संस्कृति की धरती

किसानों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए पैकेज लाएंगेः सीएम योगी

- भ्रष्टाचारियों को मोदी सरकार से परेशानी, सड़कों पर अराजकता पैदा करने वाले नक्सलवाद, आतंकवाद व अलगाववाद के समर्थकः सीएम
- पंडित नेहरू ने नहीं की थी चौरीचौरा के क्रांतिकारियों की पैरवी, मदन मोहन मालवीय जी आगे आएः मुख्यमंत्री

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, गोरखपुर, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के अन्नदाता किसानों को आश्वस्त किया कि साइक्लोन के कारण असमय बरसात, अतिवृष्टि और ओलावृष्टि से हुए नुकसान की भरपाई सरकार पैकेज लाकर करेगी। उन्होंने कहा कि हमने इसका मुआवजा तो दिया है, लेकिन मैं मानता हूं कि यह नाकाफी है। अन्नदाता किसान को जो नुकसान हुआ है, डबल इंजन की सरकार उसकी पूरी भरपाई करने का काम करेगी। सभी जिला प्रशासन को निर्देश दिया गया है कि पूरा सर्वे कर लीजिए, तात्कालिक मुआवजा दीजिए। >> (शेष पेज 06 पर)

बदमाश पाली थी सपा सरकार, अपराध का गढ़ बन गया था यूपी, भाजपा सरकार ने विकास से बदलाव दिखायाः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चौरीचौरा में मोपा बाजार रेल ओवरब्रिज के उद्घाटन सहित 287.56 करोड़ रुपये की 84 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास

भ्रष्टाचारियों को मोदी सरकार से परेशानी, अराजकता का प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन्होंने उत्तर प्रदेश के सामने पहचान, सुरक्षा का संकट खड़ा किया था, जिन्होंने युवाओं के रोजगार और नौकरी पर डकैती डाली थी, किसानों के चेहरे की खुशहाली छीनी थी, गरीबों के हकों पर डकैती डाली थी, ऐसे गिरगिटों से सावधान रहने की आवश्यकता है। हमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विकास की धारा को आगे बढ़ाना है। भ्रष्टाचारियों को मोदी सरकार से परेशानी हो रही है। सड़कों पर अराजकता पैदा करने वाले दरअसल गरीबों के खिलाफ माहौल बना रहे हैं, क्योंकि मोदी जी ने गरीबों के चेहरों पर खुशहाली लाने का काम किया, उनका उत्थान किया। अराजकता फैलाने वाले लोग किसान, महिला और भारत की सुरक्षा के विरोधी हैं। ये नक्सलवाद, आतंकवाद और अलगाववाद के समर्थक हैं। हमें इन भ्रष्टाचारी तत्वों को अराजकता फैलाने की छूट नहीं देनी है। इनके खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने की तैयारी भी करनी होगी। दुष्प्रचार का मुकाबला करने के लिए आमजन को खड़ा होना पड़ेगा।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

सप्तपुरियों में श्रेष्ठ श्रीअयोध्या धाम अपने दसवें भव्य एवं दिव्य दीपोत्सव के स्वागत के लिए पुलकित है। दीपोत्सव अंधकार से प्रकाश, निराशा से आशा और आस्था से विकास की यात्रा का प्रतीक है। ***यह मात्र दीप प्रज्वलन नहीं, अपितु भारत की सनातन चेतना के पुनर्जागरण तथा सांस्कृतिक गौरव का महापर्व है।*** दीप की छोटी-सी लौ सिखाती है कि गहन अंधकार में भी प्रकाश की एक किरण नई आशा का संचार करती है। प्रभु श्रीराम के अयोध्या आगमन की स्मृति से जुड़े इस पावन पर्व पर आप सभी को हार्दिक मंगलकामनाएं।

दीपोत्सव से हमारा सनातन संबंध केवल परंपराओं से नहीं, बल्कि जीवन-मूल्यों से भी है। 14 वर्षों तक भरत जी ने राजसुख त्याग कर प्रभु श्रीराम की चरण-पादुकाओं को सिंहासन पर प्रतिष्ठित रख अयोध्या के राज्य का संचालन किया। रामायण का यह प्रेरक प्रसंग हमें सिखाता है कि सत्ता का वास्तविक अर्थ अधिकार नहीं, दायित्व है। अयोध्या का दीपोत्सव त्याग, मर्यादा और समर्पण की इसी भावना को विश्वपटल पर प्रतिष्ठित कर रहा है। ***मां सरयू के तट पर सजी दीपमाला, राम की पैड़ी पर लाखों दीपों की जगमग मानो अयोध्या में आकाश गंगा उतर आई हो। ड्रोन के माध्यम से आकाशीय प्रस्तुतियां और कलाकारों की सहभागिता इस महोत्सव को अलौकिक भव्यता प्रदान करती हैं।***

आस्था और जनभागीदारी को विकास की शक्ति बनाकर उत्तर प्रदेश ने उत्सव प्रदेश के रूप में नई पहचान स्थापित की है। हमारा स्पष्ट विश्वास है कि ***जहां प्रकाश है, वहां सुरक्षा का वास है। जहां सुरक्षा है, वहां निवेश के अवसर हैं। जहां निवेश है, वहां विकास है। जहां विकास है, वहीं रोजगार तथा सुख समृद्धि है। यही उत्सवधर्मिता का आधार है। दीपोत्सव आस्था और अर्थव्यवस्था का संगम भी है। इससे कुम्हारों, पुष्प विक्रेताओं और होटल व्यवसायियों सहित स्थानीय व्यापारियों के लिए रोजगार एवं आय के अवसर बढ़ते हैं।***

मैं आप सभी से विशेष रूप से कहना चाहूंगा कि यदि आपके आस-पड़ोस में कोई वंचित परिवार है, तो अपने सामर्थ्य के अनुसार उसकी दीपावली भी आलोकित करें। दीये, मिठाइयां और नए वस्त्र भेंट कर उसके जीवन में प्रसन्नता का संचार करें। यही दीपोत्सव की सच्ची भावना है। विशेषकर युवा, दीपक के प्रकाश की तरह सकारात्मक ऊर्जा से जुड़ें, नकारात्मकता से दूर रहें, ***अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें, क्योंकि स्वच्छता में ही श्री जी का वास है। स्थानीय कारीगरों के दीप एवं उत्पाद खरीदकर उनके परिश्रम को प्रोत्साहन दें।***

मेरी हार्दिक इच्छा है कि आप अपने परिवार और मित्रों के साथ अयोध्या पधारें तथा प्रभु श्रीराम की पावन नगरी में भव्य दीपोत्सव की दिव्य छटा के साक्षी बनें। हर घर में खुशहाली हो, हर मन में सद्भाव हो और प्रगति पथ प्रशस्त हो, इसी मंगलकामना के साथ...

सियावर रामचंद्र की जय।

आपका
योगी आदित्यनाथ

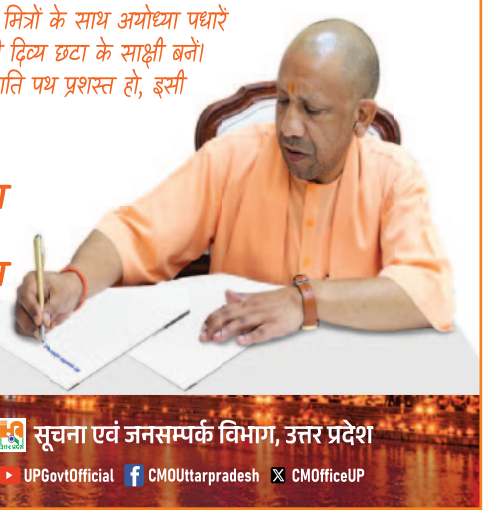

फास्ट न्यूज

पंजाब में 2 आप विधायकों ने पार्टी छोड़ी

पटियाला । पंजाब में आम आदमी पार्टी के 40 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी होने के बाद 2 विधायकों ने पार्टी छोड़ दी है। इनमें पटियाला के समाना से विधायक चेतन सिंह जौड़ामाजरा और सनौर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा शामिल हैं। हालांकि अभी इनकी सीट से कोई नया उम्मीदवार घोषित नहीं किया गया है।

संबोधन | राहत

मोदी बोले-12 साल में 49 करोड़ लोग गरीबी से निकले

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने कहा कि 2011 से 2023 के बीच भारत में 49.6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए। इस दौरान देश में अत्यधिक गरीबी की दर 90% तक कम हुई। मोदी ने वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि गरीबी खत्म करना सरकार के लिए सिर्फ नारा नहीं, बल्कि पक्का संकल्प है। मोदी ने यह भी कहा कि पिछले 6 साल में रोजगार के 13.4 करोड़ नए अवसर बने हैं। यह संख्या कामकाजी उम्र की आबादी में हुई बढ़ोतरी से करीब दोगुनी है। उन्होंने देश में आर्थिक असमानता कम होने की बात भी कही।

मणिपुर में दो अलग घटनाओं में 5 की मौत

मणिपुर । शनिवार को दो अलग-अलग घटनाओं में 5 लोगों की मौत हो गई। नोनी जिले के केकरू नगा गांव में दो हथियारबंद गुटों के बीच कई घंटे तक गोलीबारी हुई। इसमें कुकी समुदाय के 3 लोगों की जान चली गई। वहीं, कांगपोकपी जिले में 29 अक्टूबर से लापता दो युवकों के शव रविवार को मिले।

नड्डा बोले- आज के दिन सिखों का नरसंहार हुआ, राहुल अपनी राजनीति के लिए शहीदों को भूले

दिल्ली में विपक्ष की रैली के खिलाफ भाजपा का मार्च

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । INDIA ब्लॉक की रामलीला मैदान में रैली के विरोध में भाजपा ने आज दिल्ली समेत देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च निकाला। दिल्ली में हरि नगर से तिलक नगर तक करीब एक किमी लंबा मार्च निकाला गया।

इसमें 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ित परिवार और सिख समुदाय के लोग शामिल हुए। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने रामलीला मैदान में SIR के खिलाफ रैली के लिए 1 नवंबर का दिन जानबूझकर चुना है। 1 नवंबर 1984 को सिख विरोधी हिंसा हुई थी।

वहीं, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने हरियाणा के रोहतक में रैली निकाली। उन्होंने कहा कि वोट चोरी कांग्रेस की विरासत है। ये वोट चोरी भी करते हैं और जनता के वोट का अपमान भी करते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आज सिख विरोधी हिंसा के पीड़ितों को याद करना चाहिए था लेकिन राहुल गांधी उन्हें भूलकर रामलीला मैदान में अपनी राजनीति चमका रहे हैं।

नवीन का आरोप- राहुल विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे

नितिन नवीन ने कहा- राहुल गांधी विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे हैं। वे विदेशी ताकतों के इशारे पर देश के लोकतंत्र को चुनौती देना चाहते हैं। देश की 140 करोड़ जनता देख रही है, उसे मालूम है कि ये कौन लोग हैं। ये वही लोग हैं जिन्होंने विदेशों में अराजकता फैलाई। कांग्रेस के लोग कहते हैं कि सत्ता बदल देंगे। अरे ये जनता के वोट से बनी सरकार है, इसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता।

आजम को कोर्ट ने 14 दिन के लिए जेल भेजा

कोर्ट से सीधे डासना जेल ले जाया गया

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद । सपा नेता आजम खान जेल में ही रहेंगे। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने रविवार सुबह 10.30 बजे आजम को विशेष PMLA कोर्ट में पेश किया। जहां ले उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

इसके बाद आजम को कोर्ट से सीधे डासना जेल ले जाया गया। इस दौरान ED टीम के साथ CRPF और पुलिस के 100 जवान भी थे।

जब आजम कोर्ट परिसर पहुंचे तो काफी शांत दिखे। सिर्फ लोगों की तरफ देखते रहे। कार की खिड़की का शीशा खोला तो मीडिया ने पूछा- कुछ बोलेंगे नहीं? इस पर जवाब दिया- क्या रह गया है बोलने को।

डिप्टी सीएम बोले- मुसलमान होने की नहीं, भ्रष्टाचार की सजा मिल रही

मनी लॉन्ड्रिंग केस में ED ने आजम खान को शनिवार शाम को रामपुर जेल से बाहर आते ही गिरफ्तार कर लिया था। वहां से ED उन्हें कार से सीधे दिल्ली हेड ऑफिस ले गई थी। रातभर वहीं रखा।

>> (शेष पेज 06 पर)

शाह को अखिलेश का जवाब- अंगद का पैर कहां रखोगे

लखनऊ । सपा प्रमुख अखिलेश यादव दिल्ली के रामलीला मैदान में SIR के विरोध में INDIA ब्लॉक की रैली में शामिल हुए। उन्होंने कहा- रामलीला मैदान आज लोकतंत्र की हल्दीघाटी बन गया है। यहां कई बार नया इतिहास लिखा गया है। एक बार फिर बदलाव आएगा। यूपी के लोग स्वागत के साथ अच्छी विदाई भी करना जानते हैं। अखिलेश ने गृह मंत्री अमित शाह के 'अंगद का पैर' वाले बयान पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा, ₹जो लोग कहकर आए हैं कि अंगद का पैर है, वे जानते हैं कि जमीन ही नहीं बची है तो अंगद का पैर कहां रखोगे? दरअसल, अमित शाह ने शुक्रवार को लखनऊ में कहा था कि यूपी में बीजेपी की सरकार अंगद का पैर है, जिसे कोई नहीं हटा सकता है। विपक्ष का मार्च दोपहर 12 बजे मिंटो जंक्शन से शुरू हुआ और दोपहर 3 बजे रामलीला मैदान पहुंचा।

राहुल बोले- मेरी बात सच होगी, सीईसी के खिलाफ विपक्षी पार्टियों की रैली

'ज्ञानेश कुमार जेल जाएंगे : राहुल

"अखिलेश, राहुल गांधी, ममता बनर्जी और तेजस्वी यादव समेत कई नेताओं के साथ खुली बस में सवार होकर रैली में पहुंचे। इस दौरान अखिलेश और ममता बराबर वाली सीट पर बैठे नजर आए। रैली में कुल 19 पार्टियों के नेता शामिल हुए।

राहुल गांधी ने कहा- हमें नफरत नहीं, मोहब्बत फैलानी है

राहुल गांधी ने कहा, 'ज्ञानेश कुमार रात को सो नहीं पाता। वो डर रहा है, उसने सबसे बड़ा क्राइम किया है। देश की आवाज को बंद करने की कोशिश की, उसका गला घोंटा है।' उन्होंने कहा, 'न तो मोदी, न ही शाह, वो भी सो नहीं पा रहे। हम दुश्मनी वाले लोग नहीं है। हमें नफरत नहीं, मोहब्बत फैलानी है। ये प्रोटेस्ट किसी एक पार्टी, एक नेता का नहीं है। ये देश का प्रोटेस्ट है। देश की आवाज है, संविधान को बचाने की आवाज है।'

INDIA गठबंधन का 'चलो दिल्ली' मार्च कनॉट प्लेस के मिंटो रोड जंक्शन से शुरू हुआ। काफिले में कई गाड़ियां थीं। कार्यकर्ता सड़क पर पैदल चले।

5 नेताओं के 5 बड़े बयान

राहुल ने कहा- देश में जो बेचा है, उसका बदला लेंगे

राहुल गांधी ने कहा, 'मैं आपको बताता हूं कि मोदी कहीं नहीं जा सकते, जाना भी चाहें तो हम कहीं नहीं जानें देंगे। ज्ञानेश कुमार के बाद हम आपके सामने खड़े होने जा रहे। आपने जो वोट चोरी की है उसके खिलाफ लीगल कार्यवाई होगी। देश को न्याय मिलेगा। राहुल ने ये भी कहा कि आपने अडाणी को जो देश बेचा है, उसका बदला लेंगे। आपको भागने नहीं देंगे, आप यहीं के यहीं रहोगे। कार्रवाई होकर रहेगी। उन्होंने कहा, 'हममें और उनमें अंतर है, ये देश नफरत का नहीं है। हम मोदी-शाह ज्ञानेश से नफरत नहीं करते। हम मोहब्बत की दुकान खोलने वाले लोग हैं। मोदी-ज्ञानेश ने देश की आत्मा, संविधान, लोकतंत्र पर हमला किया है। हम ये स्वीकार नहीं करेंगे।'

एसजीपीजीआई भर्ती परीक्षा रद्द, एसटीएफ जांच करेगी

बोले- ऑफिस में भरी जा रही थी ओएमआर शीट

हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । SGPGI में नर्सिंग और हॉस्पिटल अटेंडेंट भर्ती परीक्षा को रद्द कर दिया गया है। रविवार को दूसरे चरण की यह परीक्षा 2 पालियों में 7 केंद्रों पर आयोजित की गई थी। इसमें करीब 8500 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। इससे पहले परीक्षा को लेकर विवाद हो गया था। गड़बड़ी और पेपर लीक का आरोप लगाते हुए अभ्यर्थियों ने जमकर हंगामा किया था। छात्रों का आरोप है कि परीक्षा के दौरान ऑफिस के अंदर OMR शीट भरी जा रही थी। अभ्यर्थियों ने पेपर में चीटिंग कराने के आरोप लगाए। मौके पर पहुंची पुलिस ने छात्रों को शांत कराया था। SGPGI की ओर से बताया गया है कि अभ्यर्थियों के आरोपों की जांच STF को सौंपी गई है।

>> (शेष पेज 06 पर)

- बायोमेट्रिक फेल, देर से शुरू हुआ पेपर
- पहली पाली की परीक्षा रद्द करने की मांग

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । अलग-अलग पार्टियां, मकसद एक- ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग। विपक्ष के तमाम बड़े नेताओं ने दो दिन से दिल्ली में डेरा डाल रखा है।

शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के घर विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जनमहाभियोग पास किया तो रविवार को सोनिया समेत राहुल, प्रियंका, अखिलेश, ममता और तेजस्वी बाकी नेताओं के साथ रामलीला मैदान पहुंचे।

करीब चार घंटे चले इस कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा- मेरी बात सच होगी, ज्ञानेश कुमार CEC के पद से हटेंगे और जेल जाएंगे।

रैली में सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती और सुप्रिया सुले समेत INDIA ब्लॉक के कई नेता मौजूद रहे। 8 नेताओं ने स्पीच दी।

राहुल ने कहा, 'ज्ञानेश कुमार CEC पद से हटेगा, ज्ञानेश कुमार जेल जाएगा। ये आम चोरी नहीं है। किसी ने दुकान से छोटी चोरी कर ली, उसके लिए जेल होती है, ये नॉर्मल चोरी नहीं है, ये हिंदुस्तान के हर नागरिक की आवाज की चोरी है।

उन्होंने कहा, 'इसको रेयरेस्ट ऑफ रेयर केस कहते हैं। इसको देशद्रोह कहते हैं। ज्ञानेश कुमार के बिना मोदी न पीएम बनते, न शाह गृह मंत्री बनते। आरएसएस ने देश की सारी संस्थाओ को कैप्चर कर लिया है।'

राहुल गांधी ने कहा, '2024 के चुनाव के बाद 13.5 करोड़ वोटर्स वोटर लिस्ट से हटाए गए। सात में से एक वोटर को निकाला गया यानी 15% वोटर्स को लिस्ट से बाहर किया। 2024 में वोट परसेंट सिर्फ 3% था।

>> (शेष पेज 06 पर)

भाजपा बोली- 2024 में ज्ञानेश कुमार सीईसी थे ही नहीं

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि राहुल कहते हैं कि 2024 का चुनाव अवैध था। मैं कहना चाहता हूं कि 2024 में ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त नहीं थे। 2025 में मुख्य चुनाव आयुक्त बनकर आए। अगर 2024 का चुनाव अवैध था तो आप भी अवैध लीडर ऑफ अपोजिशन हैं।

रामलीला मैदान में 10 लाख लोगों के जुटने के दावे पर BJP नेता संबित पात्रा ने सवाल उठाए। उन्होंने रैली की तस्वीरें और वीडियो दिखाते हुए कहा कि मैदान में बड़ी संख्या में कुर्सियां खाली थीं। उनके मुताबिक, 28

एसआईआर और ज्ञानेश कुमार के विरोध में पिछले 25 दिनों में विपक्ष सातवीं बार एकजुट हुआ। इससे पहले 6 से 13 अक्टूबर के बीच 6 बार प्रदर्शन हुए थे।

मऊ के घाटों का विकास केवल निर्माण नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का प्रयास है : मंत्री ए.के. शर्मा

मंत्री ए के शर्मा ने मऊ को दी 531.5 लाख रुपए की विकास परियोजनाओं की सौगात

विमोचन

- मड़ैया घाट, विसर्जन घाट के निर्माण एवं रामलीला मैदान के सौंदरीकरण का किया लोकार्पण
- मंत्री ए के शर्मा ने 5 वर्षों के विकास कार्यों का जनता को दिया हिसाब, विकास पुस्तिका का किया विमोचन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने कल देर रात मऊ में 531.5 लाख रुपए की लागत से तीन महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का लोकार्पण कर मऊवासियों को सौगात दी। इनमें मड़ैया घाट एवं विसर्जन घाट का नवनिर्माण तथा रामलीला मैदान में इंटरलॉकिंग एवं सौंदर्यीकरण के कार्य शामिल हैं। इस अवसर पर मंत्री श्री शर्मा ने अपने पांच वर्षों के कार्यकाल में मऊ में कराए गए विकास कार्यों का विस्तृत लेखा-जोखा भी जनता के समक्ष प्रस्तुत किया तथा विकास पुस्तिका का विमोचन किया।

इस अवसर पर मंत्री श्री शर्मा ने मऊवासियों को तीनों विकास परियोजनाओं के लोकार्पण की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन मऊ और उनके लिए अत्यंत खुशी एवं सौभाग्य का दिन है। भगवान महादेव की कृपा और मऊ की जनता के स्नेह एवं आशीर्वाद से पिछले पांच वर्षों में क्षेत्र में अनेक विकास कार्य कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि मऊ को विकास के नए मॉडल के रूप में स्थापित करना मेरा संकल्प है। जनता के सहयोग से जनपद की तस्वीर बदल रही है।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कल देर रात मऊ में कुल 531.5 लाख रुपए की लागत से कराए गए तीन विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इनमें 260.27 लाख रुपए की लागत से मड़ैया घाट का नवनिर्माण, मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के अंतर्गत 247.42 लाख रुपये से लागत से रामलीला मैदान में विसर्जन घाट का नवनिर्माण तथा 23.81 लाख रुपए की इंटरलॉकिंग एवं सौंदर्यीकरण के कार्य शामिल हैं।

> मंत्री शर्मा ने कहा कि किसी भी शहर की सुंदरता केवल सड़कों, भवनों और घाटों के निर्माण से नहीं होती, बल्कि वहां रहने वाले लोगों की सोच, संस्कार और सांस्कृतिक चेतना से भी होती है। इसी उद्देश्य से विकास परियोजनाओं के लोकार्पण के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, ताकि लोग अपनी सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और धार्मिक आस्था से जुड़ें।

मऊ महादेव घाट को बताया विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल

मंत्री शर्मा ने कहा कि उन्होंने लगभग 50 देशों की यात्रा की है और वहां के पर्यटन स्थलों को भी देखा है। उन्हें गर्व है कि मऊ महादेव घाट आज एक विशिष्ट और आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित हुआ है। लगभग 20 करोड़ रुपए की लागत से इस घाट का निर्माण जनसहयोग एवं सीएसआर के माध्यम से कराया गया है। इस घाट पर किसी व्यक्ति का नाम नहीं लिखवाया गया, क्योंकि यह किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे मऊवासियों का घाट है। उन्होंने कहा कि भगवान महादेव के प्रति आस्था और सेवा की भावना से प्रेरित होकर इस घाट को मऊ की सामूहिक विरासत के रूप में विकसित किया गया है।

पांच वर्षों के विकास कार्यों का जनता को दिया हिसाब

मंत्री शर्मा ने अपने पांच वर्षों के कार्यकाल में कराए गए विकास कार्यों का विवरण एक पुस्तिका के माध्यम से जनता के समक्ष प्रस्तुत किया। इसका विमोचन उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जनप्रतिनिधि का दायित्व है कि वह जनता द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी के तहत किए गए कार्यों का हिसाब जनता को दे। इसी भावना से वह प्रत्येक वर्ष 26 जनवरी को भी वार्षिक कार्यों का विवरण प्रस्तुत करते रहे हैं। उन्होंने पुस्तिका को डिजिटल माध्यम से भी उपलब्ध कराने की जानकारी देते हुए जनता से सुझाव आमंत्रित किए।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में दोस्त की चाकू से गोदकर हत्या

लखनऊ । शनिवार रात एक युवक की दोस्त ने चाकू मारकर हत्या कर दी। दोनों के बीच मोहल्ले के पार्क के पास किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। इसके बाद दोस्त ने उस पर चाकू से ताबड़तोड़ कई वार किए। गंभीर हालत में उसे ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना सआदतगंज इलाके में रात करीब 9:30 बजे की है। हत्या के बाद आरोपी दोस्त मौके से भाग गया।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में इंटरनेशनल ट्रेड फेयर

लखनऊ । लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित इंटरनेशनल ट्रेड फेयर के दूसरे दिन भी लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। न्यू मीडिया एवं द प्लानर के तत्वावधान में आयोजित इस आयोजन में MSME स्टॉल्स के साथ-साथ प्रॉपर्टी, रियल एस्टेट, ऑटोमोबाइल और लाइफस्टाइल से जुड़े विभिन्न आकर्षक विकल्प लोगों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। 30 अक्टूबर को शुभारंभ के साथ शुरू हुए प्रॉपर्टी, रियल एस्टेट एंड ऑटो एक्सपो में दूसरे दिन भी शानदार गतिविधियां देखने को मिलीं। विभिन्न कंपनियों और ब्रांड्स ने अपने उत्पादों, सेवाओं और विशेष ऑफर्स के माध्यम से लोगों को आकर्षित किया।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में इंटरनेशनल ट्रेड फेयर

लखनऊ । लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित इंटरनेशनल ट्रेड फेयर के दूसरे दिन भी लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। न्यू मीडिया एवं द प्लानर के तत्वावधान में आयोजित इस आयोजन में MSME स्टॉल्स के साथ-साथ प्रॉपर्टी, रियल एस्टेट, ऑटोमोबाइल और लाइफ-स्टाइल से जुड़े विभिन्न आकर्षक विकल्प लोगों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

लखनऊ ट्रिपल मर्डर में आरोपी ऋषभ की बहन हुई गिरफ्तार

25 हजार का इनाम घोषित था, चबूतरे के विवाद में हुई थी हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ ट्रिपल मर्डर में मुख्य आरोपी ऋषभ शुक्ला की बहन दिव्या को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। घटना के बाद वह फरार चल रही थी। उस पर 25 हजार का इनाम भी घोषित था। रविवार को पुलिस ने उसे दुबग्गा के कूड़ा चौराहे के पास आईआईएम रोड से पकड़ा। एक दिन पहले ही उसके चाचा राजेश शुक्ला को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

इस मामले में पुलिस पहले ही 7 आरोपियों को जेल भेज चुकी है। घटना सआदतगंज इलाके में 26 अक्टूबर को हुई थी। चबूतरा बनाने के विवाद में एक ही परिवार के बाप, बेटे और चाचा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

घटना के बाद डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की थी। उन्होंने आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया था। डिप्टी सीएम ने तीनों की अर्थियों को कंधा दिया था।

डीसीपी पश्चिम जितेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि चबूतरा बनाने और खाली जमीन पर वाहन खड़े करने को लेकर विवाद हुआ था। इसी रंजिश में आरोपियों ने एक राय होकर शिवेंद्र तिवारी उर्फ शंभू, उनके बड़े भाई शिवाजी तिवारी और भतीजे सुयश तिवारी को घेर लिया था। आरोप है कि हमलावरों ने तीनों के साथ लाठी-डंडों और पत्थरों से मारपीट की। इसके बाद गोली मारकर उनकी हत्या कर दी थी।

वारदात के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित की गई थीं। पुलिस ने 26, 27 और 31 अक्टूबर को कार्रवाई करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया था। दिव्या शुक्ला इस मामले में वांछित थी। रविवार को उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया।

ट्रिपल मर्डर करने वाले ऋषभ शुक्ला का चाचा राजेश शुक्ला पहले से अपराधी है। पुलिस ने उसे गुंडा घोषित जिला-बदर किया था।

योगी सरकार की पहल से आत्मनिर्भर बनेंगे दिव्यांगजन, उत्पादों की बिक्री के लिए मिलेगा मंच

दिव्यांगजन के हुनर को बाजार देगी योगी सरकार

- दिव्यांगजन के उत्पादों का होगा प्रदर्शन और बिक्री, स्वरोजगार को मिलेगा बढ़ावा
- लखनऊ मंडल को सात लाख और अन्य मंडलों को तीन-तीन लाख रुपये का बजट
- सभी मंडलों में आयोजन की तैयारी तेज, अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार दिव्यांगजन को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। इसी क्रम में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग ने प्रदेश के सभी मंडलों में दिव्यांगजन द्वारा निर्मित उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री के लिए दीपावली मेले आयोजित किए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य दिव्यांगजन के हुनर को पहचान दिलाने के साथ उनके उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपने कौशल के माध्यम से रोजगार और आय के नए अवसर हासिल कर सकें।

योगी सरकार की इस पहल से दिव्यांगजनों द्वारा तैयार हस्तनिर्मित वस्तुओं और अन्य उत्पादों को सीधे ग्राहकों तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। दीपावली मेले उनके लिए अपने उत्पादों के प्रचार-प्रसार, बिक्री और नए ग्राहक तैयार करने का मंच बनेंगे।

सात लाख और अन्य मंडलों को तीन-तीन लाख रुपये का बजट निर्धारित

प्रदेश के प्रत्येक मंडल स्तर पर दिव्यांगजनों द्वारा निर्मित सामग्रियों के प्रदर्शन एवं बिक्री के लिए दीपावली मेले आयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत लखनऊ मंडल को छोड़कर प्रदेश के अन्य प्रत्येक मंडल में मेले के आयोजन के लिए तीन लाख रुपये की धनराशि निर्धारित की गई है। जबकि लखनऊ मंडल में आयोजन के लिए सात लाख रुपये का बजट तय किया गया है। विभाग की ओर से प्रदेश के सभी उपनिदेशकों और जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारियों को अपने-अपने जनपदों एवं मंडलों में मेले के आयोजन के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही शेष मंडलों और जनपदों से आयोजन संबंधी प्रस्ताव जल्द उपलब्ध कराने के लिए भी निर्देश जारी किए गए हैं।

हर महीने एक हजार रुपये की सहायता से जरूरतमंद महिलाओं को मिल रही आर्थिक सुरक्षा

पति को खोने के बाद मिला आर्थिक संबल

योगी सरकार में पेंशन से 42 लाख से अधिक महिलाओं को सहारा

- आधार आधारित भुगतान से पारदर्शी व्यवस्था, निराश्रित महिलाएं जी रहीं सम्मानजनक जीवन
- पात्र महिलाओं को योजना से जोड़ने के लिए महिला कल्याण विभाग को सख्त निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। पति की मृत्यु के बाद आर्थिक चुनौतियों से जूझ रही महिलाओं को सहारा देने के लिए योगी सरकार की 'पति की मृत्यु उपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजना' महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के माध्यम से प्रदेश की 42 लाख से अधिक महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। वित्तीय वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही तक के आंकड़ों के अनुसार, प्रत्येक पात्र महिला को हर महीने एक हजार रुपये की पेंशन दी जा रही है। सरकार की इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद महिलाओं को आर्थिक कठिनाइयों से उबारने के साथ उन्हें आत्मसम्मान और सम्मानजनक जीवन का आधार देना है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 से योजना के सभी लाभार्थियों को आधार आधारित भुगतान व्यवस्था से जोड़ दिया गया है। इसके तहत पेंशन सीधे आधार से जुड़े बैंक खातों में भेजी जा रही है। महिला कल्याण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि पात्रता पूरी करने वाली कोई भी महिला योजना के लाभ से वंचित न रहे। इसके लिए पात्र महिलाओं की पहचान, जागरूकता और आवेदनों के समयबद्ध निस्तारण पर जोर दिया गया है। योजना का लाभ लेने के लिए महिला का उत्तर प्रदेश का स्थायी निवासी होना, 18 वर्ष से अधिक आयु का होना, पति की मृत्यु हो चुकी होना और परिवार की वार्षिक आय दो लाख रुपये से अधिक न होना अनिवार्य है।

योजना के तहत वर्ष 2016-17 में पात्र महिलाओं को 500 रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जाती थी।

योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2021-22 से इसे बढ़ाकर एक हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया। यानी पेंशन राशि में सीधे दोगुनी वृद्धि की गई। इससे लाखों लाभार्थियों को पहले की तुलना में अधिक आर्थिक सहायता मिलने लगी। बढ़ती महंगाई और घरेलू जरूरतों के बीच यह वृद्धि महिलाओं के लिए राहत का आधार बनी है।

पति की मृत्यु के बाद आर्थिक चुनौतियों से लड़ने में मददगार बनी पेंशन

पति को खोने के बाद महिलाओं के सामने परिवार की जिम्मेदारियां निभाने, बच्चों की परवरिश और रोजमर्रा के खर्च पूरे करने की चुनौती होती है। ऐसे में नियमित पेंशन उनके लिए आर्थिक सहारा बन रही है। हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की सहायता से महिलाएं अपनी आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में मदद पा रही हैं। 42 लाख से अधिक महिलाओं तक योजना का लाभ पहुंचना बताता है कि प्रदेश सरकार ने निराश्रित महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता दी है।

लखनऊ में 9,180 अभ्यर्थियों ने छोड़ी पीईटी परीक्षा

लखनऊ । लखनऊ में PET के अंतिम दिन 45 परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। 45 केंद्रों पर दोनों पालियों में कुल 29,124 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 9,180 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। पहली पाली की परीक्षा सुबह 10 बजे से शुरू हुई। इसके लिए सुबह 8 बजे से केंद्रों पर एंट्री दी गई। राजधानी में परीक्षा दो पालियों में कराई जा रही है। पहली पाली की परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक, जबकि दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक हुई। केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

अभ्यर्थियों को तीन स्तर की जांच के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है। अवध गर्ल्स डिग्री कॉलेज में PET परीक्षा देने पहुंची महिला अभ्यर्थियों की सघन चेकिंग की गई। प्रवेश से पहले सुरक्षा कर्मियों ने उनके कान की बालियां उतरवाईं। दूसरी पाली की परीक्षा में 76.09% अभ्यर्थी शामिल हुए।

राजधानी में तीन पुलिसकर्मी लाइन हाजिर, 2 थाने से अटैच

ड्यूटी में लापरवाही कर रहे थे पेट्रोलिंग के दौरान गायब मिले

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

- अधिकारियों ने औचक निरीक्षण किया
- आगे भी जारी रहेगी सख्ती

लखनऊ । लखनऊ में लापरवाही करने वाले 3 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर कर दिए गए। वहीं 2 को थाने से अटैच कर दिया गया। रविवार को पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा ने यह कार्रवाई की। ये सभी पुलिसकर्मी रात की गश्त और ड्यूटी के दौरान लापरवाही बरत रहे थे।

पुलिस कमिश्नर के निर्देशों के बाद पूर्वी, दक्षिणी और मध्य जोन के डीसीपी ने रात में गश्त और ड्यूटी प्वाइंट्स का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कई जगहों पर पुलिसकर्मी या तो गायब मिले या अपनी ड्यूटी में कोताही बरतते हुए पाए गए, जिसके बाद यह गाज गिरी है। पुलिस कमिश्नर ने स्पष्ट किया है कि शहर में महिला सुरक्षा और अपराध नियंत्रण उनकी प्राथमिकता है। नाइट गश्त में किसी भी तरह की लापरवाही या ढिलाई बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी जोन्स में इसकी लगातार निगरानी और समीक्षा की जाएगी, और दोषी मिलने पर आगे भी ऐसी ही कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

आरोप : विरोध करने पहुंचे विहिप कार्यकर्ताओं से धक्का-मुक्की, पुलिस ने 7 लोगों को हिरासत में लिया

100 लोगों के धर्मांतरण की तैयारी का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के राजाजीपुरम में घर के अंदर धर्मांतरण कराने का आरोप सामने आया है। रत्नम आई हॉस्पिटल के पास स्थित एक मकान में ईसाई धर्म की चंगाई सभा चलने की सूचना पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता पहुंचे। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि वहां सामूहिक रूप से करीब 100 लोगों का धर्म परिवर्तन कराने की तैयारी थी। विरोध करने पर उनके साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की कोशिश की गई। सूचना पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। वहां से 7 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

कार्यकर्ताओं का आरोप है कि सभा में लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा था। वहां कहा जा रहा था कि भगवान कुछ नहीं होता, सब कुछ ईशू हैं। कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि वहां करीब 100 लोगों का सामूहिक धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। इसका विरोध करने पर उन्हें बाहर निकाल दिया गया। बजरंग दल व विश्व हिंदू परिषद के जिला सह संयोजक अनुज शर्मा ने तालकटोरा थाने में शिकायत देकर कहा कि सैंकड़ों लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए इक्कठा किया गया था।

पहचान बदलकर सभा में पहुंचे कार्यकर्ता

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के मुताबिक, उन्हें घर के अंदर चंगाई सभा चलने की सूचना मिली थी। इसके बाद कुछ कार्यकर्ता अपनी पहचान छिपाकर मौके पर पहुंचे। दरवाजे पर रोके जाने पर उन्होंने बताया कि वे ईसाई धर्म अपनाने के लिए सभा में आए हैं। इसके बाद उन्हें अंदर जाने दिया गया।

'आर्थिक लाभ का लालच देकर धर्मांतरण'

बजरंग दल के जिला सुरक्षा प्रमुख देवेंद्र ने बताया कि हमें जानकारी मिली थी कि यहां चंगाई सभा में धर्म परिवर्तन हो रहा है। जब हमारे कार्यकर्ता अंदर पहुंचे तो वहां ईसाई धर्म अपनाने के लिए कहा जा रहा था। आर्थिक लाभ का लालच देकर और उनकी परेशानियों को दूर करने की बात कहकर धर्म परिवर्तन के लिए लोगों को कहा जा रहा था। हमारे एक कार्यकर्ता ने इसका विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की गई।

> मोहल्ले के पी चॉर्ल्स और उनके बेटे रॉबर्ट पर धर्मांतरण के आरोप लगे हैं। चॉर्ल्स का परिवार यहां 2009 से रह रहा है। ये दोनों रायबरेली के रहने वाले अशोक तिवारी के मकान में किराये पर रहते हैं। स्थानीय निवासियों के मुताबिक, रविवार को बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ यहां जुटती है।

आरोप है की इस घर में ईसाई धर्म की चंगाई सभा चल रही थी। करीब 100 लोगों के धर्म परिवर्तन की तैयारी थी।

2017 से पहले तुष्टीकरण का तेजाबी दंश सहने को विवश थी अयोध्या : मुख्यमंत्री

अब विरासत के साथ प्रगति का नया अध्याय लिख रही है प्रभु श्रीराम की प्राणप्रिय नगरी

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर पोस्ट कर प्रस्तुत की अयोध्या की प्राचीन व नवीन तस्वीर
- पहले श्रद्धालुओं की यात्रा कठिन, नगर की व्यवस्थाएं जर्जर और स्थानीय परिवारों की संभावनाएं थीं सीमित
- सभ्यता की जन्मभूमि, संस्कृति की प्राणधारा और आस्था की शाश्वत ज्योति है अयोध्या

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को 'एक्स' पर पोस्ट कर प्रदेशवासियों को अयोध्या की प्राचीन व नवीन तस्वीर से अवगत कराया। उन्होंने अयोध्या को लेकर पूर्ववर्ती सरकार को आईना दिखाया तो अपनी सरकार में किए गए कार्यों का उल्लेख भी किया। मुख्यमंत्री ने लिखा कि अयोध्या सभ्यता की जन्मभूमि, संस्कृति की प्राणधारा और आस्था की शाश्वत ज्योति है, किंतु वर्ष 2017 से पहले यह दिव्य नगरी उपेक्षा, अव्यवस्था और तुष्टीकरण का तेजाबी दंश सहने के लिए विवश थी। श्रद्धालुओं की यात्रा कठिन, नगर की व्यवस्थाएं जर्जर और स्थानीय परिवारों की संभावनाएं सीमित थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अयोध्या जी की प्राचीन गरिमा को आधुनिक विकास का नया विस्तार मिला है। भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर से लेकर रामपथ, धर्मपथ, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और आधुनिक रेलवे स्टेशन तक, हर निर्माण श्रद्धालुओं की सुविधा एवं राम नगरी के गौरव से जुड़ा है। इस परिवर्तन का प्रकाश अयोध्या वासियों के घर-आंगन तक पहुंच रहा है। बढ़ता पर्यटन व्यापार को संबल दे रहा है, नए अवसर युवाओं को रोजगार से जोड़ रहे हैं और स्थानीय परिवार समृद्धि की नई आशाएं संजो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी विकास की प्रतीक्षा करती अयोध्या आज अपनी विरासत के साथ प्रगति का नया अध्याय लिख रही है। असंख्य सनातनियों की आस्था, अस्मिता और आराधना का यह केंद्र आज 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' के संकल्प को साकार करते हुए सांस्कृतिक चेतना और समृद्धि का उज्ज्वल प्रतीक बन गया है।

मीरा राठौर ने संगम के जल से धोया, नारियल फोड़ा, बोलीं- साहिल-मुस्कान को जल्द दी जाए फांसी

नीला ड्रम हत्याकांड वाले घर का शुद्धिकरण

नाराजगी

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । नीला ड्रम हत्याकांड वाले किराए के मकान का आज शुद्धिकरण किया जा रहा है। रविवार को अखिल भारतीय हिंदू महासभा की मीरा राठौर समर्थकों के साथ पहुंचीं हैं। मंत्रोच्चारण के साथ घर के गेट को संगम के जल से धोया, नारियल फोड़े। इसके बाद धूप बत्ती जलाई। मीरा राठौर ने कहा- मुस्कान और साहिल को जल्द फांसी होनी चाहिए। इन्हें जेल में सरकार का मेहमान बनाकर रखा है। मुझे जल्लाद बना दिया जाए तो मैं ही अपने हाथों से इन्हें फांसी दे दूंगी। हम लोग सावित्री सत्यवान की बात करते हैं लेकिन इन लोगों ने रिश्ते को बदनाम कर दिया है। शुद्धिकरण

मीरा राठौर अपने समर्थकों के साथ ब्रह्मपुरी थाना के इंदिरा नगर पहुंचीं।

के बाद मीरा ठाकुर अपने साथियों के साथ सौरभ राजपूत के घर पहुंची और सौरभ की मां को अहोई अष्टमी का सामान दिया है। बता दें 3 मार्च 2025 को मुस्कान साहिल ने मिलकर सौरभ की हत्या की थी। मेरठ की अदालत ने 30 सितंबर 2026 को दोनों को दोषी ठहराया था। इसके बाद 14 अक्टूबर को मौत की सजा सुनाई गई।

लंदन से लौटे सौरभ कुमार राजपूत की पत्नी मुस्कान ने 3 मार्च,

जानिए कौन हैं मीरा राठौर

मीरा राठौर आगरा की रहने वाली हैं। वह वर्तमान में अखिल भारत हिंदू महासभा की आगरा जिलाध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं। मीरा अक्सर अपने बयानों और विभिन्न धार्मिक व सामाजिक मुद्दों पर अपनी सक्रियता के कारण चर्चा में बनी रहती हैं। मीरा ताजमहल परिसर में पूजा करने और महाशिवरात्रि के मौके पर ताजमहल में शिवलिंग पर गंगाजल चढ़ाने की कोशिश को लेकर सुर्खियों में रही थीं। कथावाचक अनिरुद्धाचार्य आचार्य के खिलाफ महिलाओं पर आपत्ति-जनक टिप्पणी के मामले में मीरा राठौर ने मथुरा के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (CJM) की अदालत में अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ परिवाद दायर की थी जिसे लेकर भी काफी चर्चा हुई थी।

मीरा राठौर को देखकर सौरभ की मां फिर से भावुक हो गईं। उन्होंने कहा- मेरे बेटे की हत्या की गई जिस तरह से उसी तरह से मुस्कान साहिल को फांसी दी जाए।

फिर सोते समय मुस्कान ने उसके सीने में चाकू मारा।

हत्या के बाद शव बाथरूम में ले जाया गया। वहां साहिल ने सिर और दोनों हाथ धड़ से अलग किए। टुकड़ों को प्लास्टिक के ड्रम में डालकर सीमेंट का घोल भर दिया। परिवार और पड़ोसियों को गुमराह करने के लिए मुस्कान शिमला-मनाली घूमने चली गई।

दुकान के गल्ले से डेढ़ लाख रुपये चोरी करने वाला कर्मचारी गिरफ्तार

पीजीआई पुलिस ने आरोपी को दबोचा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। पीजीआई थाना क्षेत्र में दुकान के गल्ले से करीब डेढ़ लाख रुपये चोरी करने के मामले में पुलिस ने दुकान के कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान प्रिंस गुप्ता (20) पुत्र महेश गुप्ता निवासी नीलमथा, थाना कैंट के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की रकम में से 34,210 रुपये और एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक दमन दीप सिंह पुत्र सरबजीत सिंह ने पीजीआई थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी दुकान पर काम करने वाला कर्मचारी प्रिंस गुप्ता गल्ले में रखी नकदी चोरी कर ले गया है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें गठित की थीं। तकनीकी साक्ष्यों, मैनुअल जांच और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि दुकान

के गल्ले में रखी नकदी देखकर उसके मन में लालच आ गया था। इसी के चलते उसने चोरी की योजना बनाई और दुकान से करीब डेढ़ लाख रुपये लेकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दर्ज मुकदमे में बीएनएस की धारा 317(2) की बढ़ोतरी करते हुए आवश्यक कानूनी कार्रवाई की और उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त तरुण गाबा और संयुक्त पुलिस आयुक्त अपर्णा कुमार के निर्देश पर डीसीपी दक्षिणी मोहम्मद मुश्ताक के पर्यवेक्षण तथा एडीसीपी दक्षिणी रल्लापल्ली वसंथ कुमार के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई।

फास्ट न्यूज

100 साल पुराने कुएं का पानी अचानक हुआ दूधिया सफेद

(हैदरगढ़), बाराबंकी। बाराबंकी के त्रिवेदीगंज क्षेत्र के जगन्नाथपुर गांव में करीब 100 साल पुराने कुएं का पानी रविवार सुबह अचानक दूधिया सफेद हो गया। मंदिर की सफाई करने पहुंचे ग्रामीणों ने पानी का बदला रंग देखा तो गांव में खबर फैल गई। कुछ लोग इसे माता रानी का चमत्कार मान रहे हैं। वहीं, जल निगम ने कुएं में जहरीली गैस बनने की आशंका जताई है।

गोरखपुर से मुंबई के लिए जल्द शुरू होगी चौथी फ्लाइट

गोरखपुर । गोरखपुर एयरपोर्ट से मुंबई के लिए यात्रा करने वाले पैसेंजर्स के लिए अच्छी खबर है। बहुत जल्द एयरपोर्ट से मुंबई के लिए एक और हवाई सेवा का शुभारंभ होने वाला है। अभी तक मुंबई के लिए तीन फ्लाइट उड़ान भरती हैं। यात्रियों की डिमांड को देखते हुए हाल ही में नोएडा के जेवर एयरपोर्ट के लिए भी हवाई सेवा शुरू की गई है। इसका नतीजा है कि गोरखपुर एयरपोर्ट पर एक साल में 11.30 लाख यात्रियों को फूटफॉल रहा है। गोरखपुर एयरपोर्ट पर आने-जाने वालों की अबतक की सबसे अधिक संख्या है।

चौथी बार सेतु निगम के पैनल में सुधीर चतुर्वेदी को मिली जगह

अंबेडकरनगर। आलापुर विधानसभा क्षेत्र के भूपतिपुर कोडरहा निवासी अधिवक्ता सुधीर चतुर्वेदी को लगातार चौथी बार उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम लिमिटेड का पैनल अधिवक्ता मनोनीत किया गया है। एक बार फिर जिम्मेदारी मिलने पर क्षेत्र में उनके मनोनयन की चर्चा है। उनके भाई सुनील चतुर्वेदी ने इसकी जानकारी साझा की।

लखनऊ समेत 10 शहरों में कोहरा छाया, ठंड बढ़ी

सड़कों पर सन्नाटा, काशी-कानपुर में बादल छाए 5 जिलों में बारिश का अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी, कानपुर, लखनऊ, मेरठ। यूपी में 'अर्नब' तूफान के असर से 3 दिन लगातार हुई बारिश से ठंड बढ़ गई है। दिन का तापमान 8 C तक लुढ़क गया है। रविवार सुबह लखनऊ, सहारनपुर, शामली, बागपत और मुजफ्फरनगर समेत 10 शहरों में कोहरा छाया रहा। सड़कों पर सन्नाटा दिखा और 50 मीटर दूर देखना भी मुश्किल हो गया।

इधर, वाराणसी, कानपुर और उन्नाव समेत 15 से ज्यादा शहरों में बादल छाए हैं। ठंडी हवाएं सर्दी का एहसास करा रही हैं। दुकानों पर लोग अलाव सेकते नजर आ रहे हैं। आज बलिया, गाजीपुर, चंदौली, मिर्जापुर और सोनभद्र में हल्की बारिश का अलर्ट है।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- यूपी में चक्रवात का असर अब खत्म हो

गया है। आज दोपहर से पूरे प्रदेश में मौसम साफ होने लगेगा। एक हफ्ते में दिन के तापमान में 5 C से 7 C की बढ़ोतरी होगी। रात में पारा 4 C से 6 C तक गिरेगा। संभल में विजिबिलिटी 200 मीटर दर्ज की गई। कोहरे की चादर छाई रही। न्यूनतम 18 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। 10 से 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाओं से ठंडक बढ़ी है।

काठमांडू में खराब मौसम के चलते दिल्ली से काठमांडू जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट को डायवर्ट कर लखनऊ एयरपोर्ट पर उतारा गया। एयर इंडिया की फ्लाइट AI-223 रविवार देर रात लखनऊ पहुंची। सुबह 3:31 बजे विमान लखनऊ से दिल्ली के लिए रवाना हो गई।

वाराणसी में रविवार सुबह आसमान में हल्के बादल छाए हुए हैं। सुबह का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा की रफ्तार 3 किलोमीटर प्रति घंटे रही, जबकि नमी 96 प्रतिशत पर बनी रही। मौसम वैज्ञानिक मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि तीन नवंबर तक आसमान पूरी तरह साफ हो जाएगा। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, मौसम साफ होने से अगले 3-4 दिनों में दिन के तापमान में 4 से 6 डिग्री और रात में 3 से 5 डिग्री की गिरावट आ सकती है।

भारत में लोगों को विदेशों में बैठे निशाना बना रहे साइबर अपराधी

लखनऊ में साइबर अपराधियों पर क्राइम ब्रांच का बड़ा एक्शन

- साइबर अपराध के नेटवर्क पर कसा शिकंजा
- क्राइम ब्रांच की टीमों ने कई थाना क्षेत्रों में एक साथ की छापेमारी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । साइबर अपराध के नेटवर्क पर शिकंजा कसते हुए पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई की है। शहर के अलग-अलग इलाकों में एक साथ छापेमारी कर पुलिस ने करीब एक दर्जन सिम बॉक्स बरामद किए हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इन उपकरणों का इस्तेमाल विदेशों में बैठे साइबर अपराधी भारत में लोगों को निशाना बनाने के लिए कर रहे थे। फिलहाल क्राइम ब्रांच की साइबर यूनिट पूरे नेटवर्क की पड़ताल में जुटी है। पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा के निर्देश पर साइबर अपराधियों के खिलाफ यह अभियान चलाया गया। एडीसीपी क्राइम किरण यादव के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच की टीमों ने शहर के कई थाना क्षेत्रों में एक साथ छापेमारी की। इस दौरान सुशांत गोल्फ सिटी, गोमतीनगर, पारा, चिनहट और बीबीडी थाना क्षेत्र को कार्रवाई के लिए चुना गया। अलग-अलग ठिकानों पर हुई तलाशी के दौरान करीब 12 सिम

बॉक्स मिलने की जानकारी सामने आई है। पुलिस को इस नेटवर्क के तार गुजरात, असम और गोवा समेत देश के कई राज्यों से जुड़े होने की जानकारी मिली है। ऐसे में जांच का दायरा केवल लखनऊ तक सीमित नहीं रहने वाला है। क्राइम ब्रांच यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद सिम बॉक्स किन लोगों के कब्जे में थे, इनके जरिए कितने सिम कार्ड इस्तेमाल किए जा रहे थे और विदेश में बैठे साइबर अपराधियों से इनका संपर्क कैसे होता था।

विदेश में बैठे अपराधियों से जुड़ा नेटवर्क

जांच में सिम बॉक्स के जरिए होने वाली कॉल रूटिंग को लेकर अहम जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि विदेशों में बैठे साइबर अपराधी इन उपकरणों की मदद से अंतरराष्ट्रीय कॉल को स्थानीय कॉल के रूप में रूट करते थे। इस तकनीक के जरिए वे भारत में बैठे लोगों से संपर्क कर उन्हें साइबर ठगी का शिकार बनाते थे। सिम बॉक्स का इस्तेमाल कॉल करने वाले की वास्तविक लोकेशन और कॉल के स्रोत को छिपाने के लिए भी किया जा सकता है।

जूता कारोबारी की मौत हत्या या हादसा !

2 दिन बाद मिली लाश, नौकर बोला- कार गंगा में गिरी थी, पिता ने कहा- बेटे को मार डाला

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। कानपुर में लापता जूता कारोबारी का शनिवार रात 1.30 गंगा किनारे शव मिला। बेटे का शव देखकर मां बेहोश हो गईं। रोते हुए कहती रहीं- तुमने तो कहा था जल्दी लौटकर खाना खाओगे। मैं तुम्हारा इंतजार ही करती रही।

घरवालों के मुताबिक, कारोबारी 9 अक्टूबर को कर्मचारी के साथ माल खरीदने निकला था, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटा था। उसके साथ गए कर्मचारी ने बताया था कि सफीपुर के सरैया घाट के पास कार गंगा में गिर गई और कारोबारी बह गया है।

इसके बाद उन्नाव पुलिस ने 2 दिन तक गोताखोरों और स्टीमर से तलाश की, लेकिन कार और कारोबारी का कहीं पता नहीं चला। शनिवार को गंगा किनारे उसकी लाश मिली।

शव मिलने के बाद घरवालों ने पुरानी रंजिश में हत्या और लूट का आरोप लगाते हुए शिकायत दी। इसके बाद रविवार को पुलिस ने कारोबारी के साथ गए कर्मचारी को हिरासत में ले लिया। घटना चौबेपुर थाना क्षेत्र की है। उन्नाव के बाबरअली खेड़ा सफीपुर के रहने वाले विजय कुमार गौर प्रॉपर्टी डीलर हैं। परिवार में पत्नी सुभा गौर, बेटी नुकूल और इकलौता बेटा तारुष (27) था।

पिता विजय कुमार गौर ने बताया- तारुष उन्नाव में गौर बूट हाउस नाम से जूते-चप्पल का शोरूम चलाता था। करीब 5 महीने पहले उसने लखनऊ में भी जूते-चप्पल का थोक कारोबार शुरू किया था। वह हर बार तीन-चार दिन में लखनऊ जाता था।

30 अक्टूबर की शाम तारुष की दुकान पर काम करने वाला कर्मचारी विजय राजपूत घर आया। उसने तारुष को शिवराजपुर चलकर सस्ते दाम पर माल खरीदने की बात कही। कर्मचारी ने बताया कि वहां से माल खरीदकर लखनऊ में अच्छे दाम पर बेचने से मुनाफा होगा। उसकी बातों पर भरोसा करके तारुष कार लेकर निकल गया। वह करीब 3 लाख रुपए भी साथ ले गया था।

कर्मचारी ने बताई कार गंगा में गिरने की कहानी

काफी देर तक तारुष घर नहीं लौटा, तो घरवालों ने उसको फोन किया। लेकिन, मोबाइल स्विच ऑफ मिला। इसके बाद परिवार ने कर्मचारी विजय राजपूत को फोन किया। उसने बताया कि कार तेज रफ्तार में थी। सफीपुर के सरैय्या घाट के पास कार बेकाबू होकर गंगा में गिर गई। कर्मचारी विजय ने बताया कि वह किसी तरह कार से बाहर निकल आया, जबकि तारुष कार समेत नदी में बह गया। घरवालों ने यह बात पुलिस को बताई। इसके बाद उन्नाव पुलिस ने गोताखोरों और स्टीमर की मदद से गंगा में तारुष की तलाश शुरू कराई। दो दिन तक अभियान चलने के बावजूद न कार मिली और न ही तारुष का पता चला। 31 अक्टूबर की देर रात बंदी माता घाट पर तारुष का शव मिला। लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने छानबीन की, तो पता चला कि यह कारोबारी तारुष का है।

शव मिलने के बाद तारुष के पिता विजय कुमार गौर ने हत्या की आशंका जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि सन 2018 में लखनऊ में उन पर फायरिंग हुई थी। इस मामले का मुकदमा कोर्ट में है।

32.74 लाख का तेल और खाद्य सामग्री सीज

4 प्रतिष्ठानों पर मिलीं अनियमितताएं

तमसा संकेत, संवाददाता

उन्नाव। दीपावली और भैयादूज के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने रविवार को उन्नाव के नवाबगंज इलाके में छापेमारी की। चार प्रतिष्ठानों पर अनियमितताएं मिलने पर कार्रवाई की गई। टीम ने 6,966 किलोग्राम खाद्य सामग्री और 11,958 लीटर खाद्य तेल सीज किया।

विभाग के मुताबिक, जब्त सामग्री की कीमत करीब 32.74 लाख रुपए है। खाद्य सुरक्षा आयुक्त प्रियंका सिंह ने रविवार शाम 7 बजे कार्रवाई की जानकारी दी।

जिलाधिकारी घनश्याम मीणा के निर्देश पर चलाए गए अभियान में सरसों का तेल, राइस ब्रान ऑयल, सोयाबीन रिफाइंड ऑयल, पामोलीन तेल, चना दाल और बेसन की जांच

की गई। टीम ने प्रतिष्ठानों से नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विभाग के मुताबिक, विजय कुमार के प्रतिष्ठान पर बिना पंजीकरण और लाइसेंस के खुला तेल बेचने के संदेह में कार्रवाई की गई। टीम ने यहां से 300 किलोग्राम रिफाइंड सोयाबीन ऑयल और 4,499 किलोग्राम सरसों का तेल सीज किया। इनकी कीमत क्रमशः 53,400 रुपए और 8,45,812 रुपए बताई गई है।

संदेश: एसपी प्राची सिंह ने पुलिस लाइन से बाइक और स्कूटी रैली को दिखाई हरी झंडी

सड़क पर लापरवाही छोड़ें, सुरक्षा अपनाएं

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए रविवार को यातायात माह नवंबर-2026 की शुरुआत हुई। इस मौके पर पुलिस लाइन से जागरूकता रैली निकाली गई। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने हरी झंडी दिखाकर बाइक और स्कूटी रैली को रवाना किया। रैली में पुलिसकर्मियों ने शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरकर वाहन चालकों को सुरक्षित यातायात का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्राधिकारी यातायात जितेंद्र कुमार सिंह और यातायात प्रभारी निरीक्षक जय बहादुर यादव ने पुलिस अधीक्षक का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इसके बाद रैली में शामिल पुलिसकर्मी हेलमेट पहनकर और यातायात

यातायात माह के दौरान लोगों को सुरक्षित वाहन संचालन के प्रति जागरूक करने पर जोर रहेगा। पुलिस का उद्देश्य जनपद में सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखना है।

नियमों के पालन का संदेश देते हुए रवाना हुए। इसमें अकबरपुर कोतवाली, महिला थाना और यातायात पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। सभी चौकी प्रभारियों ने भी प्रतिभाग किया। रैली के माध्यम से निर्धारित गति सीमा का पालन करने और नशे की हालत में वाहन न चलाने का संदेश दिया गया। पुलिस ने लोगों से वाहन चलाते समय सावधानी बरतने और यातायात संकेतों व नियमों का पालन करने की अपील की।

पुलिस लाइन से शुरू होकर प्रमुख चौराहों से गुजरी रैली

जागरूकता रैली पुलिस लाइन से शुरू होकर रोडवेज, तहसील तिराहा, शहजादपुर और संगतिया पुलिस चौकी तक पहुंची। यहां से रैली वापस तहसील तिराहा पहुंचकर समाप्त हुई। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी। लोगों को बताया गया कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का इस्तेमाल जरूर करें।

फोन पर बात करने को लेकर दो पक्षों में मारपीट

उन्नाव। उन्नाव के अचलगंज थाना क्षेत्र के पाड़नखेड़ा गांव में युवक-युवती के फोन पर बातचीत करने को लेकर रविवार दोपहर दो पक्षों में विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और मारपीट शुरू हो गई। घटना में दोनों पक्षों की एक-एक महिला घायल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी बिछिया में भर्ती कराया। मारपीट का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पुलिस के अनुसार, गांव के रोहित यादव (26) और शिवांशी गौतम (18) के बीच फोन पर बातचीत होती थी। इसी बात को लेकर रविवार दोपहर करीब दो बजे दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों के लोग मारपीट करने लगे।

एक पक्ष से रोहित यादव, उनके पिता राकेश यादव (45) और मां सुनीता यादव (40) थे। वहीं दूसरे पक्ष से कुमारे गौतम (55), प्रियांशू गौतम (18), सीताराम (करीब 50) और शिवांशी गौतम शामिल थे।

पीईटी देने निकले बीएसए कार्यालय के लिपिक की सड़क हादसे में मौत

सेमरी बाईपास पर टूरिस्ट बस की टक्कर से बाइक सवार प्रत्युष गंभीर रूप से घायल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। पीईटी की परीक्षा देने रायबरेली जा रहे बीएसए कार्यालय के कनिष्ठ लिपिक प्रत्युष वर्मा (22) की सड़क हादसे में मौत हो गई। रविवार को जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के नगईपुर के पास सेमरी बाईपास पर उनकी बाइक को टूरिस्ट बस ने टक्कर मार दी। हादसे में हेलमेट पहने होने के बावजूद उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। स्थानीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अंबेडकरनगर जिला अस्पताल और फिर मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर ले जाया गया। यहां इलाज के दौरान दोपहर में उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद बस चालक वाहन लेकर फरार हो गया।

इब्राहिमपुर थाना क्षेत्र के बहादुर-पुर निवासी प्रत्युष वर्मा बीएसए कार्यालय में कनिष्ठ लिपिक के पद

पर तैनात थे। करीब एक वर्ष तीन माह पहले उन्हें मृतक आश्रित के रूप में नौकरी मिली थी। नौकरी मिलने के बाद भी उन्होंने पढ़ाई जारी रखी थी। रविवार को वह पीईटी की परीक्षा देने के लिए बाइक से रायबरेली रवाना हुए थे। रास्ते में सेमरी बाईपास पर हादसे का शिकार हो गए। बताया जाता है कि नगईपुर के निकट बस पास लेने के दौरान सामने से आ रही प्रत्युष की बाइक से टूरिस्ट बस की भिड़ंत हो गई। टक्कर लगते ही वह बाइक से उछलकर सड़क किनारे जा गिरे। सिर में गंभीर चोट लगने से उनकी हालत बिगड़ गई। हेलमेट पहने होने के बावजूद चोट इतनी गंभीर थी कि उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाना पड़ा। हादसे के बाद बस चालक मौके से निकल गया। घटनास्थल पर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई।

हादसे की सूचना मिलने पर डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायल प्रत्युष को वीरसिंहपुर स्थित अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अंबेडकरनगर रेफर कर दिया। इसके बाद उन्हें जिला अस्पताल लाया गया। हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर भेजा गया। वहां उपचार के दौरान दोपहर में उन्होंने दम तोड़ दिया।

सम्पादकीय

राजनीतिक तमाशा

आम तौर पर प्रतीकात्मक संसद का आयोजन छात्रों को संसदीय कार्यवाही के तौर-तरीकों से परिचित कराने के लिए किया जाता है, लेकिन गत दिवस कांग्रेस की पहल पर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के घर पर विपक्षी दलों की ओर से जो दिखावटी संसद चलाई गई, उसे एक भोंडे राजनीतिक तमाशे के अतिरिक्त और कुछ कहना कठिन है। इस आयोजन ने केवल संसद की गरिमा गिराने का ही काम नहीं किया, बल्कि इसने विपक्ष की फजीहत भी कराई।

इसलिए कराई, क्योंकि इस दिखावटी संसद में एक तो सिविल सोसायटी के नाम पर आंदोलनजीवी किस्म के लोगों को भी स्थान दिया गया और दूसरे वोट चोरी के जुमले की आड़ में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जन महाभियोग भी लाया गया। इस दौरान न तो उनका और न ही चुनाव आयोग का पक्ष रखने की प्रतीकात्मक ही सही, सुविधा दी गई। एक तरह से जन महाभियोग लाने वालों ने कंगारू कोर्ट जैसा काम किया और जैसा चाहते थे, वैसा फैसला सुना दिया यानी मुख्य चुनाव आयुक्त को दोषी करार दिया। यह सब नौटंकी तब हुई, जब मतदाता सूचियों के शुद्धीकरण यानी एसआईआर के खिलाफ दायर की गई याचिकाओं की सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा है। इनमें से कई याचिकाएं विपक्षी नेताओं की हैं। इनमें एक याचिका राहुल गांधी की भी है।

यह याचिका दायर करने के बाद राहुल गांधी ने कहा था कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है। यदि उन्हें वास्तव में सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है तो फिर दिखावटी संसद बुलाने और दुराग्रह से प्रेरित होकर तथाकथित जन महाभियोग लाने का क्या औचित्य? इस सबसे तो यही सिद्ध होता है कि राहुल गांधी और उनके सहयोगी सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा करने के लिए तैयार नहीं। जिस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हो रही हो, उस पर बाहर जनसुनवाई करना लोकतांत्रिक मर्यादा और संवैधानिक मूल्यों के ही खिलाफ है। क्या यह विचित्र नहीं कि राहुल गांधी संविधान की प्रति लिए तो घूमते रहते हैं, लेकिन उसकी भावना के अनुरूप आचरण करने के लिए तैयार नहीं। उन्हें इतनी समझ होनी ही चाहिए कि निराधार आरोपों के सहारे लोगों को गुमराह करने की एक सीमा होती है। अब वह जमाना नहीं रहा कि किसी झूठ को सौ बार दोहराया जाए तो उसे सच साबित किया जा सके। इससे इनकार नहीं कि एसआईआर की प्रक्रिया में कुछ त्रुटियां हैं और उनके कारण लोगों को परेशानी भी हो रही है, लेकिन इस सबको वोट चोरी कहना तिल को ताड़ बनाना ही है। यदि राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं के पास मुख्य चुनाव आयुक्त की कथित धांधलियों के खिलाफ कोई प्रमाण हैं तो उन्हें सुप्रीम कोर्ट के समक्ष पेश किया जाना चाहिए। किसी भी मामले में विपक्ष वकील और जज, दोनों की भूमिका एक साथ नहीं निभा सकता।

श्रद्धा और कंठस्थ ज्ञान असली पूंजी

हमारे जीवन में श्रद्धा की दुर्लभता और कंठस्थ ज्ञान की महत्ता हैं। हमारे जीवन में ज्ञान और आचरण का सेतु श्रद्धा हैं । धर्म का श्रवण करना सरल हैं किन्तु सुनी हुई बात पर पूर्ण श्रद्धा का होना परम दुर्लभ हैं । यथार्थ सत्य जिस बुद्धि में हों, वह श्रद्धा हैं । ज्ञान और आचरण के बीच का सेतु श्रद्धा ही हैं । वह जब तक मनुष्य के भीतर दर्शन मोहनीय कर्म और अनन्तानुबंधी कषाय (क्रोध, मान, माया, लोभ) का क्षय नहीं होता , तब तक सम्यक् दर्शन यानी सत्य के प्रति अभिरुचि पैदा नहीं होती हैं ।श्रद्धा वह शक्ति हैं जो संकट की घड़ी में भी साधक और श्रावक आदि को धर्म संघ और अपने पथ पर अडिग रखती हैं । अध्यात्म के बारे में जिसने कुछ समझ ज्ञान किया है वह तो केवलज्ञानी ने जो बताया है उस पर हूबहू वैसे ही श्रद्धा करेगा उसी तरह से जैसे न देखने पर भी पूर्वजों को मानता है। वह जो नहीं समझता उसको मत समझाओ उसके दर्शन का उदय होगा तभी समझ पायेगा । सच्ची श्रद्धा अंधविश्वास नहीं है अपितु हमारी यह दृढ़ आस्था की खास स्तंभ संस्कृति है । श्रद्धा विपरीत नहीं है अपितु यह बुद्धि की बात है । वह डिगते विश्वास को गति देने का सफल प्रयास हैं । वह जब श्रद्धायुक्त कर्म भक्ति बन जाता है तब दृढ़ विश्वास शक्ति बन जाता है । इसकी विशिष्ट विधा प्रार्थना है, जिसे कहीं भी मन को प्रार्थना गृह की सुविधा बनाकर भी की जा सकती है । दुविधा में सभक्ति श्रद्धा प्रार्थी को आत्मविश्वास प्रदाता सम्बलदाता बन जाता है । यह श्रद्धा का संक्षिप्त विज्ञान और भक्ति का महान साधन है । समर्पण में श्रद्धा का महत्व ज्यादा होता है जिस पर श्रद्धा होती है,उसी पर समर्पण होता है । यह जिस पर श्रद्धा नहीं होती उस पर समर्पण भी नहीं होता हैं । वह जब श्रद्धा किसी व्यक्ति पर होती है और उसके प्रति समर्पण होता है तो समर्पण करने वाले को विशेष सुख मिलता है ।

› प्रदीप छाजेड़

गरीबी से मुक्तिः भारत में उम्मीद का नया उजाला

> किसी निर्धन परिवार को पक्का मकान मिलना केवल आवास की उपलब्धता नहीं, बल्कि उसे संपत्ति, सुरक्षा और सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदान करना है। घर में बिजली, शौचालय और नल से जल की सुविधा उपलब्ध होना उसके जीवन की गुणवत्ता में बुनियादी परिवर्तन लाता है।

किसी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति का आकलन केवल उसकी आर्थिक विकास दर, सकल घरेलू उत्पाद, औद्योगिक विस्तार अथवा वैश्विक आर्थिक रैंकिंग से नहीं किया जा सकता। विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, निर्धनता का दायरा सिमटे, सामान्य नागरिक के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि का संचार हो, गरीबी का कलंक मिटे तथा आर्थिक अवसरों पर सबका समान अधिकार स्थापित हो। इस दृष्टि से भारत में गरीबी और निर्धनता के स्तर में आई उल्लेखनीय गिरावट एक ऐतिहासिक उपलब्धि और नए भारत के निर्माण का शुभ संकेत है। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट में भारत की इस प्रगति को वैश्विक स्तर पर गरीबी में आई सबसे तेज गिरावटों में से एक माना जाना इस उपलब्धि को और महत्वपूर्ण बनाता है। यह केवल आर्थिक आंकड़ों का परिवर्तन नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की कहानी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन की दिशा में किए गए प्रयासों का यह एक महत्वपूर्ण परिणाम है, एक शुभ एवं श्रेयस्कर भविष्य की आहट है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में अत्यधिक निर्धनता की दर 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई। इसी अवधि में 4.20 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय निर्धनता सीमा के अंतर्गत आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत हो गया। इसका अर्थ है कि लगभग 49.6 करोड़ लोग गरीबी के दायरे से बाहर आए। वर्ष 2028 तक इस अनुपात के 12.1 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान भी व्यक्त किया गया है। ये आंकड़े भारत की आर्थिक और सामाजिक यात्रा में एक बड़े परिवर्तन के प्रमाण हैं। विशेष बात यह है कि भारत ने इतनी बड़ी आबादी, व्यापक सामाजिक विविधता और कोविड जैसी वैश्विक महामारी की चुनौतियों के बावजूद निर्धनता कम करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, यह मोदी सरकार की युगान्तरकारी जन-कल्याण योजनाओं एवं गरीबी उन्मूलन के संकल्पों का ही परिणाम है। इस परिवर्तन के पीछे केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि विकास को जनकल्याण से जोड़ने की नीति भी महत्वपूर्ण रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, हर घर जल, आयुष्मान भारत, मुद्रा योजना और मुफ्त खाद्यान्न वितरण जैसी योजनाओं ने निर्धन परिवारों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने का काम किया है। इन योजनाओं की विशेषता यह है कि इन्होंने गरीबी को केवल आय की कमी के रूप में नहीं देखा, बल्कि आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, भोजन और वित्तीय समावेशन जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से जोड़कर उसका समाधान करने का प्रयास किया है।

जनधन खातों और आधार जैसी व्यवस्थाओं ने नागरिकों को वित्तीय एवं वैधानिक पहचान प्रदान की है। आयुष्मान भारत ने स्वास्थ्य संकट के समय गरीब परिवारों को आर्थिक सुरक्षा देने का आधार तैयार किया है। विश्व बैंक ने गरीबी में कमी के प्रमुख कारणों में उपभोग में वृद्धि, रोजगार के अवसरों का विस्तार, विशेषकर महिलाओं की रोजगार में बढ़ती भागीदारी और खाद्य सब्सिडी सहित सामाजिक कल्याणकारी हस्तांतरणों की भूमिका को रेखांकित किया है। वर्ष 2017 से 2023 के बीच रोजगार में लगभग 13.4 करोड़ लोगों की वृद्धि होना भी महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसमें ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती आर्थिक सक्रियता परिवारों की आय बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक आत्मनिर्भरता और निर्णय क्षमता को भी मजबूत करती है। ग्रामीण भारत में निर्धनता की तेज गिरावट ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच आर्थिक अंतर को भी कम करने में योगदान दिया है। एक अन्य महत्वपूर्ण संकेतक गिनी सूचकांक है, जिसके माध्यम से आय अथवा उपभोग के वितरण में असमानता का आकलन किया जाता है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार भारत का उपभोग आधारित गिनी सूचकांक 23 तक पहुंचा है, जो अपेक्षाकृत कम असमानता का संकेत देता है। यह अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों की तुलना में भारत की बेहतर स्थिति को दर्शाता है। हालांकि यहां यह समझना आवश्यक है कि उपभोग आधारित गिनी सूचकांक समाज में संपत्ति, आय और अवसरों की समग्र असमानता का पूरा चित्र प्रस्तुत नहीं करता। इसलिए गरीबी में कमी को आर्थिक समानता की पूर्ण उपलब्धि मान लेना उचित नहीं होगा। यही वह बिंदु है, जहां भारत की विकास यात्रा का आलोचनात्मक मूल्यांकन आवश्यक हो जाता है। एक ओर करोड़ों लोग गरीबी से बाहर निकल रहे हैं, दूसरी ओर समाज में संपत्ति और आर्थिक संसाधनों का संकेंद्रण एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। उच्च आय वर्ग और सामान्य मेहनतकश नागरिक के बीच जीवन की सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अवसरों का अंतर अभी भी व्यापक है। गुणवत्तापूर्ण रोजगार की कमी, असंगठित क्षेत्र में काम करने वालों की असुरक्षा, युवाओं में बेरोजगारी, कृषि पर निर्भर परिवारों की सीमित आय और महिलाओं को समान पारिश्रमिक न मिलना ऐसे प्रश्न हैं, जिनका समाधान किए बिना समतामूलक समाज की कल्पना अधूरी रहेगी। गरीबी का कम होना और अमीरी-गरीबी के बीच की खाई का कम होना दो अलग-अलग स्थितियां हैं। पहली उपलब्धि उत्साह देती है, लेकिन दूसरी चुनौती पर निरंतर ध्यान देना आवश्यक है।

भारत को अब ऐसी विकास नीति की आवश्यकता है, जिसमें आर्थिक प्रगति का लाभ केवल कुछ क्षेत्रों, वर्गों अथवा उद्योगों तक सीमित न रहे। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, कौशल विकास, छोटे उद्यमों को प्रोत्साहन, कृषि का आधुनिकीकरण, श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा और महिलाओं के लिए सम्मानजनक रोजगार के अवसर इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। कर व्यवस्था में न्यायपूर्ण संतुलन, ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में निवेश और सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं की पारदर्शिता भी आवश्यक है। विकास का वास्तविक उद्देश्य अवसरों की समानता पैदा करना होना चाहिए, न कि केवल आर्थिक आंकड़ों में ऊंचाई हासिल करना। भारत आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में गरीबी में कमी की यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब आर्थिक शक्ति के साथ सामाजिक न्याय, मानवीय गरिमा और अवसरों की समानता भी सुनिश्चित हो।

– ललित गर्ग

गुजरात के गांधीनगर... — राकेश सैन

गुजरात के न्यायालय के आदेश और वहां का कानून देश के लिए नज़ीर बने

गोहत्या पर उम्रकैद

गाय का केवल धार्मिक ही नहीं बल्कि पर्यावरण, कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और संवैधानिक दृष्टि से बड़ा महत्व है। इन तथ्यों के मद्देनजर गत दिनों गुजरात के एक न्यायालय ने गोहत्या का अपराधी पाए जाने पर तीन अभियुक्तों को उम्रकैद की जो सजा सुनाई है, समय की मांग है कि यह न्याय और वहां का कानून पूरे देश के लिए नाजीर व गोहत्या से जुड़े मामलों के लिए प्रकाशस्तम्भ बने।

गुजरात के गांधीनगर में गांव जामला में 22 अगस्त, 2024 को यहां एक घर में पुलिस ने छापा मारा और 6 लोगों को गिरफ्तार किया। घर से पुलिस ने 277 किलो गोमांस, गायों को काटने में प्रयोग होने वाले हथियार और मांस ले जाने वाली एक गाड़ी बरामद की। अभियोगपक्ष के अनुसार, आरोपी वसीम कुरैशी और मोहम्मद रफीक कुरैशी कमजोर या दूध न देने वाली गायें और भैंसें खरीदते थे। उसके बाद वो अहमदाबाद से चार लोगों को बुलाते और जानवरों को बेरहमी से काट देते थे। गुलाम मोईन नाम का एक व्यक्ति इन लोगों से मांस खरीदता था। पुलिस ने 6 लोगों पर गोहत्या और प्रतिबंधित मांस रखने, ट्रांसपोर्ट करने और बेचने का मुकदमा दर्ज किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 54 गवाह और 18 कागजी सबूत पेश किए।

सुनवाई के बाद गांधीनगर के अतिरिक्त जिला सत्र न्यायालय ने वसीम कुरैशी, मोहम्मद रफीक कुरैशी और असफाक बहेलिम को दोषी करार दिया। इसी 26 अक्टूबर को न्यायाधीश बीआर राजपूत ने तीनों को उम्रकैद की सजा सुनाई और 3-3 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया। यह पूरे देश में अपनी तरह का पहला निर्णय माना जा रहा है।

फैसला सुनाते हुए न्यायालय ने गाय को लेकर जो बातें कहीं वह दूसरी अदालतों के लिए मार्गदर्शक बननी चाहिएं। न्यायाधीश बीआर राजपूत ने गाय का धार्मिक महत्त्व बताते हुए कहा कि मनुस्मृति में गाय को केवल जानवर नहीं, बल्कि खुशहाली, समाज और धर्म का एक स्तंभ माना गया है। ऋषि-मुनियों ने जानवरों की सुरक्षा और देखभाल की जिम्मेदारी वैश्य वर्ग को दी थी। इसके आर्ष विवाह में गाय और बैल की जोड़ी का एक खास महत्त्व है। गाय को दुनिया की माँ माना जाता है, जिसमें 33 करोड़ देवी-देवता निवास करते हैं। उसके चार पैर चार वेदों के प्रतीक हैं। जब तपस्या की शक्ति से अमृत की बूंदें धरती पर गिरीं, तो दिव्य गाय कामधेनु पैदा हुई और उसे धरती पर सभी गायों की पूर्वज माना जाने लगा। ऋग्वेद में गाय को अघ्न्या कहा गया है, यानी जिसे नहीं मारा जाना चाहिए।

त्वं माता सर्वदेवानां त्वं च यज्ञस्य कारणम्। त्वं तीर्थं सर्वतीर्थानां नमस्तेऽस्तु सदानघे॥

गोहत्या पर उम्रकैद तक की सजा देने वाला गुजरात देश का पहला राज्य है। 2011 में गुजरात के तब के सीएम नरेंद्र मोदी की सरकार ने राज्य के एनिमल प्रिजर्वेशन एक्ट में बदलाव करके गायों की हत्या, उनके ट्रांसपोर्टेशन और गोमांस की बिक्री पर पूरी तरह बैन लगा दिया था। इसमें गोहत्या करने पर 3 से 7 साल तक की सजा और 50 हजार रुपए जुर्माने का प्रावधान था। जबकि गोमांस लाने-ले जाने, स्टोर करने या बिक्री करने पर अधिकतम 3 साल की सजा और 25 हजार जुर्माना था। फिर गुजरात सरकार ने 2017 में एक्ट में संशोधन करके सजा बढ़ा दी। गोहत्या पर 10 साल जेल से उम्रकैद तक और कम से कम 1 लाख से 5 लाख रुपए तक जुर्माने का प्रावधान है। गोमांस लाने-ले जाने, स्टोर करने या बिक्री करने पर 7 साल से 10 साल तक जेल और 1 लाख से 5 लाख रुपए तक जुर्माने का प्रावधान है। गोहत्या से संबंधित मामलों पर कोई केंद्रीय कानून नहीं है। यह मामले राज्य सरकारों के नियंत्रण में आते हैं। सभी राज्यों के अलग नियम हैं, जिन्हें 3 वर्गों में समझ सकते है- गुजरात के अलावा महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक, झारखंड, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में गोहत्या प्रतिबंधित है। इन राज्यों में 1 से 10 साल की जेल और 10,000 से 5 लाख रुपए का जुर्माने का प्रावधान है। गुजरात से लगे दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव में भी गोहत्या पर उम्रकैद की सजा हो सकती है।

दूसरी तरफ असम में बिना प्रमाणपत्र के मवेशियों को मारने या मंदिर और नॉन-बीफ इलाकों में बेचने पर 3 से 8 साल की सजा और 5 लाख रुपए तक जुर्माना लग सकता है।

अतिरिक्त ... — लाल कमल

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से मातृत्व सुरक्षा एवं महिला सशक्तीकरण को मिल रहा है प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश में गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण स्तर में सुधार तथा मातृत्व के दौरान होने वाली आर्थिक कठिनाइयों को कम करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना संचालित की जा रही है। वर्ष 2017 से प्रारंभ इस योजना के माध्यम से पात्र महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान कर गर्भावस्था के दौरान स्वास्थ्य जांच, सुरक्षित प्रसव तथा नवजात शिशु के टीकाकरण को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में योजना का क्रियान्वयन स्वास्थ्य विभाग से महिला कल्याण तथा बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग को हस्तांतरित किया गया है, जिससे महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित सेवाओं को प्रभावी रूप से लागू कर योजना को बेहतर तौर पर क्रियान्वित किया जा सके। इस योजना के अंतर्गत प्रथम संतान के जन्म पर पात्र लाभार्थी महिला को दो किस्तों में कुल 5,000 रुपये की सहायता प्रदान की जाती है। पहली किस्त में 3,000 रुपये गर्भावस्था का पंजीकरण कराने तथा निर्धारित अवधि में कम से कम एक प्रसवपूर्व स्वास्थ्य जांच कराने पर दिए जाते हैं। दूसरी किस्त में 2,000 रुपये बच्चे के जन्म का पंजीकरण होने तथा 14 सप्ताह की आयु तक निर्धारित टीकाकरण पूरा होने पर प्रदान किए जाते हैं। वहीं, दूसरी संतान यदि बालिका हो, तो पात्र लाभार्थी को 6,000 रुपये की सहायता एकमुश्त प्रदान करने का प्रावधान है। इस वित्तीय सहायता का उद्देश्य महिलाओं को गर्भावस्था एवं शिशु के प्रारंभिक विकास के दौरान आवश्यक स्वास्थ्य और पोषण संबंधी देखभाल के लिए प्रोत्साहित करना है। योजना का लाभ निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करने वाली महिलाओं को दिया जाता है। इसके अंतर्गत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की महिलाएं, दिव्यांग महिलाएं, बीपीएल एवं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत राशन कार्ड धारक महिलाएं, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की लाभार्थी महिलाएं, ई-श्रम कार्ड धारक, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की लाभार्थी महिला किसान तथा मनरेगा जॉब कार्ड धारक महिलाएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त निर्धारित पारिवारिक आय सीमा के अंतर्गत आने वाली महिलाओं तथा केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित अन्य पात्र श्रेणियों को भी योजना का लाभ दिया जाता है। लाभार्थी की आयु बच्चे के जन्म के समय निर्धारित आयु सीमा के अनुरूप होनी चाहिए तथा जन्म के 270 दिनों के भीतर पोर्टल पर पंजीकरण कराया जाना जरूरी है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत सहायता राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से भेजी जाती है। भुगतान प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए लाभार्थी का फेस कैप्चर (थ्त्ै) तथा बैंक खाते का आधार और एनपीसीआई से लिंक होना आवश्यक है। डिजिटल माध्यम से भुगतान किए जाने से सहायता राशि सीधे पात्र महिला तक पहुंचाने और बिचौलियों की भूमिका को समाप्त करने में सहायता मिलती है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। वर्ष के लिए निर्धारित 11,92,700 लाभार्थियों के नामांकन लक्ष्य के सापेक्ष 10 सितंबर, 2026 तक 5,24,291 के लक्ष्य के विरुद्ध कुल 5,37,018 लाभार्थियों का पंजीकरण किया जा चुका है।

जरा हटके

स्वच्छ भारत मिशन... — डॉ0 सीमा गुप्ता

गांवों में साकार हो रहा है पंचायतों का समग्र कायाकल्प

उत्तर प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप जनपद बलरामपुर में सरयू नदी के तटवर्ती क्षेत्रों के विकास हेतु एक सुनियोजित कार्ययोजना लागू की गई है। इसके अंतर्गत नदी की भौगोलिक परिधि में स्थित 25 ग्राम पंचायतों को चिह्नित कर बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण और जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच को नई गति प्रदान की जा रही है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य दशकों से उपेक्षित रहे इन ग्रामीण अंचलों में जीवन स्तर को सुधारना और आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ बनाना है। जनपद बलरामपुर के ये तटवर्ती गांव लंबे समय से बाढ़, कटान और मौसमी जलभराव जैसी प्रतिकूल स्थितियों का सामना करते रहे हैं। इन चुनौतियों के स्थायी समाधान के लिए जिला प्रशासन द्वारा समेकित विकास मॉडल तैयार किया गया है। चिह्नित 25 पंचायतों में प्रत्येक गांव की भौगोलिक और सामाजिक आवश्यकताओं के आधार पर प्राथमिकताओं का निर्धारण हुआ है, ताकि विकास का वास्तविक लाभ अंतिम छोर पर स्थित ग्रामीण परिवारों तक पहुंचे।

विकास कार्यों को धरातल पर समयबद्ध रूप से पूरा कराने के लिए बहुस्तरीय वित्तीय संरचना स्थापित की गई है। इसके तहत ग्राम पंचायत स्तर पर लगभग 35 लाख रुपये, जिला स्तर पर 30 लाख रुपये, तहसील स्तर पर 20 लाख रुपये, ब्लॉक स्तर पर 15 लाख रुपये तथा अन्य विभागीय स्तरों पर 10 लाख रुपये तक की धनराशि का प्रावधान किया गया है। यह विकेंद्रीकृत वित्तीय व्यवस्था निर्माण कार्यों में गति लाने का ठोस आधार बनी है। वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता निर्बाध रखने के लिए केंद्रीय एवं राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के साथ विभिन्न केंद्रीय व प्रांतीय योजनाओं का अभिसरण किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा बजट की उपलब्धता को प्राथमिकताओं से जोड़ते हुए यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसी भी महत्वपूर्ण परियोजना में संसाधनों का अभाव आड़े न आए और स्वीकृत धनराशि का सदुपयोग पूर्ण गुणवत्ता के साथ हो।

तटवर्ती क्षेत्रों में आवागमन की सुगमता के लिए सुदृढ़ ग्रामीण सड़क नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है। नदी कछार के प्रमुख मजरों को मुख्य पक्के मार्गों से जोड़ने के साथ गांवों के भीतरी रास्तों पर इंटरलॉकिंग, सी.सी. रोड और व्यवस्थित जल निकासी नालियों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इससे मानसून के दिनों में उत्पन्न होने वाले जलभराव और संपर्क विच्छेद की समस्या का स्थायी समाधान होगा। शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 'जल जीवन मिशन' के अंतर्गत हर घर नल से जल पहुंचाने का कार्य प्राथमिकता पर संचालित है। तटवर्ती भूजल संदूषण और जलजनित बीमारियों से ग्रामीणों को सुरक्षित रखने हेतु उच्च क्षमता वाले ओवरहेड टैंक और पाइपलाइन बिछाई जा रही है। इससे प्रत्येक ग्रामीण परिवार को उनके घर पर ही मानक के अनुरूप स्वच्छ पेयजल सुलभ हो रहा है।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत इन सभी 25 ग्राम पंचायतों को ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन से संतृप्त करने का सघन अभियान जारी है। सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का निर्माण, व्यक्तिगत शौचालयों का सुदृढ़ीकरण, सोकपिट और कचरा पृथक्करण केंद्रों की स्थापना की जा रही है। इससे नदी के निकटवर्ती गांवों में जनस्वास्थ्य और पर्यावरणीय स्वच्छता का उच्च स्तर कायम करने में मदद मिल रही है। प्राथमिक शिक्षा के स्तर में गुणात्मक सुधार के उद्देश्य से 'ऑपरेशन कायाकल्प' के माध्यम से परिषदीय विद्यालयों का सर्वांगीण विकास कराया जा रहा है। विद्यालयों में सुरक्षित चारदीवारी, बालक-बालिकाओं हेतु पृथक शौचालय, शुद्ध पेयजल, विद्युतीकरण, टाइलीकरण और आधुनिक फर्नीचर की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही प्राथमिक स्तर पर डिजिटल शिक्षा के विस्तार हेतु स्मार्ट क्लास और पुस्तकालयों की स्थापना पर जोर दिया जा रहा है।

स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक सुलभ कराने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्रों तथा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों को आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। नियमित टीकाकरण, मातृ-शिशु सुरक्षा और आपातकालीन प्राथमिक उपचार की व्यवस्था मजबूत की जा रही है। नदी के जलस्तर में वृद्धि के दौरान संक्रामक रोगों की रोकथाम हेतु जिला प्रशासन द्वारा विशेष सचल चिकित्सा दलों की तैनाती की गई है।

सरयू नदी के तटवर्ती क्षेत्रों में भूमि कटान और बाढ़ के प्रभाव को न्यूनतम करने के लिए तटबंधों की मरम्मत, जल निकासी मार्गों की सफाई और तटीय क्षेत्रों में वृहद पौधरोपण किया जा रहा है। मृदा संरक्षण और जल प्रबंधन के इन संयुक्त प्रयासों से कृषि योग्य भूमि का क्षरण रुकेगा और तटवर्ती किसानों की फसलों को अप्रत्याशित प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षित रखा जा सकेगा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने हेतु राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से स्थानीय स्तर पर महिला स्वयं सहायता समूहों को सक्रिय किया जा रहा है। महिलाओं को पारंपरिक हस्तशिल्प, कृषि प्रसंस्करण, डेयरी और कुटीर उद्योगों से जोड़कर तकनीकी प्रशिक्षण के साथ वित्तीय सहायता उपलब्ध करा रही है। इससे स्थानीय स्तर पर आजीविका के नए साधन विकसित हो रहे हैं और पारिवारिक आय में वृद्धि दर्ज हो रही है। किसानों की समृद्धि के लिए राष्ट्रीय सरयू नहर परियोजना की उप-शाखाओं के जल का समुचित वितरण सुनिश्चित करते हुए उन्नत कृषि, फसल विविधीकरण और प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्नत बीजों, कृषि रक्षा रसायनों और सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के गठन पर बल दिया जा रहा है, ताकि उपज का लाभकारी मूल्य मिल सके। ग्राम पंचायतों के दैनिक प्रशासनिक कार्यों और नागरिक सेवाओं को पारदर्शी बनाने हेतु 'ग्राम सचिवालय' व्यवस्था को प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया गया है। पंचायत भवनों में कंप्यूटर, इंटरनेट और पंचायत सहायकों की उपस्थिति से ग्रामीणों को खतौनी, आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र तथा पेंशन योजनाओं की सुविधाएं गांव में ही सुलभ हो रही हैं, जिससे तहसील और ब्लॉक स्तर की अनावश्यक भागदौड़ समाप्त हुई है।

लखनऊ में 25 मिनट तक पुलिस से नोकझोंक, ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन

दो-फीट के सपा कार्यकर्ता को गोद में उठाकर दौड़ा दरोगा

नारेबाजी

- सपा कार्यकर्ता को पुलिस गोद में उठाकर वैन में ले गई।
- प्रदर्शन कर रहे गणेश ने कहा- ज्ञानेश कुमार ने वोट चोरी करके भाजपा की अलग-अलग राज्यों में सरकार बनवाई।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । अखिलेश यादव ने रविवार को दिल्ली में तो समाजवादी पार्टी के तमाम कार्यकर्ताओं ने लखनऊ में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन किया। हजरतगंज चौराहे पर कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार को जेल भेजने की मांग करते हुए नारेबाजी की।

■ प्रदर्शनकारियों ने कहा- जब तक ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा नहीं होगा, तब तक हम संघर्ष करेंगे।

35 करोड़ वोटों की चोरी का आरोप लगाया

प्रदर्शन कर रहे गणेश ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर लोकतंत्र की हत्या करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देंगे, हम सड़क पर प्रदर्शन करते रहेंगे।" गणेश ने आरोप लगाया कि 35 करोड़ से ज्यादा वोटों की चोरी करके अलग-अलग राज्यों और केंद्र में भाजपा की सरकार बनवाने में मुख्य चुनाव आयुक्त ने मदद की है। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार और उनके इशारे पर पूरा चुनाव आयोग भाजपा के लिए काम कर रहा है। गणेश ने चेतावनी दी कि वे इस बार किसी भी कीमत पर ऐसा नहीं होने देंगे।

पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच नोकझोंक और धक्का-मुक्की भी हुई। मामला बढ़ते देख पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को सड़क से उठाकर वैन में बिठाया। जिन लोगों ने विरोध किया, उन्हें जबरन टांगकर ले गए। प्रदर्शनकारियों ने चुनाव आयोग पर भाजपा के पक्ष में काम करने और चुनावों में बेईमानी कराने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग अब निष्पक्ष नहीं रह गया है और भाजपा का पिट्ठू बन चुका है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि आयोग ने पहले बिहार और पश्चिम बंगाल में

> प्रदर्शनकारियों में शामिल दो फीट के कार्यकर्ता ने खुद को छुड़ाने का प्रयास किया, इस पर एक दरोगा हंसते हुए उसे गोद में उठाकर दौड़ा। कार्यकर्ताओं ने पुलिस पर अभद्रता करने का भी आरोप लगाया।

'विपक्ष ने पहले ही कहा था- वोट चोरी हो रही है'

प्रदर्शन कर रहे आशीष ने कहा- हमारे नेता अखिलेश यादव लंबे समय से वोट चोरी का मुद्दा उठा रहे हैं। हमने कई बार वोट चोरी का साक्ष्य भी दिया फिर भी चुनाव आयोग ने इसका संज्ञान नहीं लिया। अब जिस तरह से एक अंग्रेजी अखबार ने इस पूरे चुनाव आयोग के चेहरे को बेनकाब किया है इससे बिल्कुल स्पष्ट हो गया कि चुनाव आयोग के मिली भगत से ही भाजपा सरकार में आ रही है। अगर चुनाव आयोग और ना होता तो कभी भी भारतीय जनता पार्टी सत्ता में ना आती।

गड़बड़ी की और अब उत्तर प्रदेश में ऐसा करने की तैयारी है।

यूपी में 2027 का चुनाव लड़ेंगे : निशांत कुमार

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी के रोहनिया स्थित रामलीला मैदान में रविवार को जनता दल यूनाइटेड का कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ। सम्मेलन में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नितीश कुमार के बेटे और स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार मुख्य अतिथि भी रहे। उन्होंने कहा कि यूपी में JDU विधानसभा चुनाव लड़ेगी। लेकिन यह चुनाव NDA एलायंस में लड़ा जाएगा। यूपी के विकास की गति को मजबूती देने का काम करेगा।

मेरे पिताजी ने बिहार में जो काम किया है। जो एक मॉडल तैयार किया है। उस मॉडल को यहां पर भी लागू करें। यहां योगी आदित्यनाथ जी भी खुद विकास कर रहे हैं। हम लोग उनके साथ हैं। हम उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ सकते हैं। उनकी विचारधारा को आगे बढ़ाना है। ताकि उत्तर प्रदेश में विकास की जो गति है, उसे मजबूती मिले।

कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद

■ काशी में जेडीयू के कार्यकर्ता सम्मेलन कहा- योगी के नेतृत्व में एनडीए को मजबूत करेंगे

निशांत कुमार ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि हम उत्तर प्रदेश में पार्टी को मजबूत करने और उसके विस्तार के लिए आए हैं। अभी 2027 में जो विधानसभा का चुनाव होने वाला है। उसमें हम उतरने का सोच रहे हैं। हम एक एनडीए के घटक दल के रूप में यहां पर चुनाव लड़ने का प्रयास करेंगे। हमारी कोशिश रहेगी कि एनडीए के घटक दल के रूप में हम चुनाव लड़ें।

फास्ट न्यूज

भाई से विवाद के बाद कांस्टेबल ने सुसाइड किया

आगरा। आगरा के पुलिस लाइन में रहने वाली महिला कांस्टेबल ने सुसाइड कर लिया था। शनिवार को कांस्टेबल का शव कमरे में लटका मिला था। परिजन शव को उन्नाव ले गए हैं। कांस्टेबल के सुसाइड के पीछे शादी का दबाव और भाइयों से झगड़ा होने की बात सामने आई है। आगरा के एसीपी कार्यालय में तैनात महिला कांस्टेबल आरती पुलिस लाइन में रहती थी।

कानपुर के कंजरपुरवा में पुलिस की रेड

कानपुर । कानपुर के किदवई नगर के कंजरपुरवा में मादक पदार्थों की अवैध बिक्री रोकने के लिए रविवार सुबह पुलिस ने बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया। पूरे मोहल्ले की घेराबंदी के साथ ड्रोन कैमरों से चप्पे-चप्पे पर नजर रखी गई। करीब 135 पुलिसकर्मियों की पांच टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर एक साथ दबिश दी। इनके कब्जे से करीब 11 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ है। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि कंजरपुरवा में चार थानों की पुलिस और एसीपी घाटमपुर और हम सभी के द्वारा सामूहिक रूप से लगभग 135 पुलिसकर्मियों ने पूरे इलाके को चारों तरफ से घेर करके एक रेड की गई और इसमें ड्रोन कैमरे से भी निगरानी की गई।

पीईटी परीक्षा की 49 केंद्रों पर पहली पाली खत्म

आगरा । प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (PET)-2026 की पहली पाली की परीक्षा रविवार दोपहर 12 बजे खत्म हो गई। परीक्षा देकर बाहर निकले अभ्यर्थियों ने पेपर को आसान से मध्यम स्तर का बताया। अभ्यर्थियों के मुताबिक, सामान्य ज्ञान (जीके) में करेंट अफेयर्स से जुड़े सवाल पूछे गए। कुछ अभ्यर्थियों को करेंट अफेयर्स के प्रश्न थोड़े कठिन लगे, जबकि गणित, हिंदी और अंग्रेजी के सवाल आसान रहे। अभ्यर्थियों ने बताया कि जिनकी तैयारी अच्छी थी, उनके लिए पेपर हल करना आसान रहा।

अहोई अष्टमी पर राधाकुंड की सुरक्षा व्यवस्था परखी

एडीजी और एसएसपी ने किया निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। अहोई अष्टमी के पावन पर्व पर राधाकुंड में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए रविवार को अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन एसके भगत एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा श्लोक कुमार ने संयुक्त रूप से सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने राधाकुंड और आसपास के क्षेत्रों का सघन निरीक्षण कर श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कुंड के प्रवेश एवं निकास मार्गों के साथ आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा इंतजाम परखे। श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित स्नान कराने, यातायात व्यवस्था सुचारू रखने तथा भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मौके पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं

कर्मचारियों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

इसके बाद अधिकारियों ने सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर कैमरों की क्रियाशीलता और निगरानी व्यवस्था की समीक्षा की। पुलिस बल के साथ कुंड के आसपास के गलियारों, मुख्य मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा भी लिया। एडीजी एसके भगत और एसएसपी श्लोक कुमार ने निर्देश दिए कि पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

'कभी इस डाल पर, कभी उस डाल पर कूद रहे'

बृजभूषण का राहुल पर तंज, कहा- 'बंदर बाबा'

तमसा संकेत, एजेंसी

बागपत । बागपत में पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। कहा- विपक्ष का नेता तो ऐसा हो गया है, जैसे कोई बंदर नाच रहा हो। कभी इस डाल पर, कभी उस डाल पर। मैं जब बंदर बाबा को देखता हूं, तो बहुत दुख होता है। मैंने कहा कम है, समझना ज्यादा। रानी के पेट से अब राजा पैदा नहीं होते, वोट से कोई भी व्यक्ति राजा बनता है।

बृजभूषण रविवार दोपहर करीब 1.30 बजे एसपीआरसी डिग्री कॉलेज में हुए क्षत्रिय स्वाभिमान सम्मेलन में पहुंचे थे। उन्होंने समाज के युवाओं से जागरूक, शिक्षित और संगठित होने की अपील की।

बागपत में क्षत्रिय स्वाभिमान सम्मेलन में बृजभूषण शरण सिंह ने विपक्ष को घेरा। कहा कि विपक्ष कभी इस डाल पर कभी उस डाल पर कूद रहा है।

बागपत में क्षत्रिय स्वाभिमान सम्मेलन में बृजभूषण शरण सिंह ने

विपक्ष को घेरा। कहा कि विपक्ष कभी इस डाल पर कभी उस डाल पर कूद रहा है।

यूजीसी न आया था और न आगे आएगा। इसलिए वो बवाल छोड़ो। अब पॉजिटिव तलाशो। ये जो आकरोच-कॉकरोच आए हैं, इनके चक्कर में न पड़ जाना। ये आए नहीं हैं, मेरे भाई ये भेजे गए हैं। इनके आंदोलन, खुद के आंदोलन नहीं हैं। इनके लिए विदेश से फंड आता है। ये उसी दिन आंदोलन करते हैं, जिस दिन ज्यादा व्यापार की संभावना होती है। ये छुट्टी के दिन आंदोलन करते हैं। व्यापारी लोग समझाते-समझाते मर गए। एक बड़े नेता से कहा कि दिवाली का समय है, यह धरना-प्रदर्शन दो-चार दिन बाद कर लें। उन्होंने कहा कि हम व्यापारियों को बुलाएंगे। व्यापारी हमें समझाएं कि हमारा क्या नुकसान है? हम उनको समझाएंगे तुम्हारा नुकसान नहीं है और तब टालेंगे।

मेरे भाई किससे मन की बात कहूं मैं, सुनने को तैयार कौन है? फुर्सत किसको है? लगे हुए सब अपने-अपने, सबको अपनी-अपनी है। बनकर मूक, मेघ सा कब तक बोलो वज्राघात सहूं मैं, किससे मन की बात कहूं मैं? बृजभूषण ने युवाओं से सफल लोगों के साथ उठने-बैठने की अपील की। कहा कि इसका व्यक्ति पर असर पड़ता है। निकम्मे लोगों के साथ बैठने से हासिल की गई चीजें भी खत्म हो सकती हैं।

उन्होंने अपने दैनिक जीवन का जिक्र करते हुए कहा कि वे खेतों में धान की कटाई का ध्यान रखते हैं। गाय को गुड़ खिलाते हैं। इन गतिविधियों की रील बनाकर सोशल मीडिया पर डालते हैं, जिससे दूसरे लोग भी इससे प्रभावित हों।

'विपक्ष के नेता बंदर की तरह नाच रहे'

मैं जब देश की दुर्दशा को देखता हूं, तो सबसे ज्यादा कांग्रेस के युवा नेता को कोसता हूं। 55 साल के हो गए, समझदार नहीं हुए। अगर वो सही ढंग से विपक्ष की भूमिका निभाते, तो देश और अच्छी प्रगति करता। हमारे देश में लोकतंत्र है। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष की कल्पना की गई है और सशक्त विपक्ष की कल्पना की गई है। लेकिन, विपक्ष का नेता तो ऐसा हो गया है, जैसे कोई बंदर नाच रहा हो।

> बृजभूषण बोले मुझे दुख होता है, क्योंकि मेरे बाबा साल-1952 में कांग्रेस से विधायक थे। 2 साल बाद मर गए। यह मेरे बाबा की पार्टी है। मैं उस पार्टी में नहीं हूं। लेकिन, मेरे बाबा की पार्टी होने के नाते मैं उससे सहानुभूति रखता हूं। लेकिन, जब बंदर बाबा को देखता हूं तो दुख होता है।

आगरा में नकाब पहनकर शोरूम में घुसी, बॉक्स छिपाकर भागी

महिला ने 7 सेकेंड में 15 लाख के जेवर चुराए

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा । एक ज्वेलरी दुकान में खरीदारी के बहाने पहुंची एक नकाबपोश महिला ने मात्र 7 सेकेंड में 15 लाख रुपए की ज्वेलरी चोरी कर ली। महिला ने अपने चेहरे को दुपट्टे से ढक रखा था। वह दुकान में दाखिल हुई और मौका मिलते ही तराजू के पास रखा ज्वेलरी बॉक्स दुपट्टे में छिपा लिया।

इसके बाद वह कुछ ही मिनटों में दुकान से बाहर निकल गई। चोरी की पूरी वारदात शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में महिला की हरकत साफ दिखाई दे रही है। मामला शनिवार दोपहर 3 बजे थाना सदर क्षेत्र के सुल्तानपुरा स्थित सचिन ज्वेलर्स का

है। मामला थाना सदर क्षेत्र के सुल्तानपुरा स्थित सचिन ज्वेलर्स शोरूम का है। शोरूम के मालिक सचिन अग्रवाल हैं। सचिन ने बताया- दोपहर में दुकान में काफी भीड़ थी। दो महिलाएं काउंटर पर बैठकर ज्वेलरी देख रही थीं।

कर्मचारी उन्हें गहने दिखाने में व्यस्त थे। इसी दौरान चेहरा ढके एक महिला शोरूम में आई। उसने दुकान में रखे सामान के बीच तराजू के पास रखे ज्वेलरी बॉक्स पर नजर रखी। मौका मिलते ही महिला ने बॉक्स उठाया और अपने दुपट्टे में छिपा लिया। इसके बाद वह बिना किसी को भनक लगे शोरूम से बाहर निकल गई।

■ शोरूम मालिक ने पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस ने दुकान के सीसीटीवी खंगाले।

ज्वेलरी बॉक्स गायब होने की मिली सूचना

सचिन अग्रवाल ने बताया कि ज्वेलरी बॉक्स अपनी जगह पर नहीं मिला तो उन्होंने सीसीटीवी फुटेज चेक की। इसमें एक महिला चोरी करते हुए दिखाई दी। महिला ने महज 7 सेकेंड में 15 लाख रुपए की ज्वेलरी बॉक्स में रखे गहने पार कर दिए। इसके बाद शोरूम मालिक ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी देखी।

विधिक सहायता शिविर में 285 लाभार्थियों को मिला सरकारी योजनाओं का लाभ

प्रभारी जनपद न्यायाधीश ने किया शुभारंभ, दिव्यांगों को ट्राईसाइकिल व श्रवण यंत्र वितरित

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश पर रविवार को पांचजन्य प्रेक्षागृह, डैम्पियर नगर में मेगा बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से 285 पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी जनपद न्यायाधीश अजय पाल सिंह ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी जनपद न्यायाधीश ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने सरस्वती वंदना और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। शिविर में न्यायिक एवं प्रशासनिक

अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और चिकित्सकों ने भी सहभागिता की। शिविर में जिला विकास, ग्रामीण विकास, पंचायती-राज, समाज कल्याण, दिव्यांगजन सशक्तीकरण, महिला एवं बाल कल्याण, शिक्षा, कृषि, श्रम, राजस्व, चिकित्सा, डाक, वन, विद्युत, खाद्य एवं रसद सहित विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। पात्र व्यक्तियों की समस्याओं का समाधान कर उन्हें योजनाओं का लाभ भी उपलब्ध कराया गया। इस दौरान आपदा प्रभावितों, आयुष्मान कार्ड एवं मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। जरूरतमंदों को आवास की चाबियां, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रोत्साहन स्वरूप सहायता एवं उपकरण, उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सम्मानित किया गया। इसके अलावा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के लाभ, प्रशिक्षित लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, श्रम कार्ड, पीएम स्वनिधि योजना और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत सहायता प्रदान की गई। दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल और श्रवण यंत्र भी वितरित किए गए।

जिला कारागार मथुरा की ओर से भी विशेष स्टॉल लगाया गया, जिसमें बंदियों द्वारा निर्मित पोशाकें, धोती, गमछा और हर्बल गुलाल सहित विभिन्न उत्पाद प्रदर्शित किए गए।

आयोजन : एक छत के नीचे मिलीं सरकारी योजनाओं और कानूनी सेवाओं की सुविधाएं

मेगा विधिक सहायता शिविर का आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के कैसरबाग स्थित पुराने उच्च न्यायालय परिसर में रविवार, 1 नवंबर को मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर आयोजित इस शिविर में जरूरतमंदों को निःशुल्क कानूनी सहायता देने के साथ ही केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया। शिविर में दिव्यांगों, महिलाओं, बच्चों, श्रमिकों, किसानों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को अलग-अलग योजनाओं के तहत लाभान्वित किया गया। माननीय जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के अध्यक्ष मलखान सिंह के निर्देशन में शिविर का आयोजन किया गया। पुराने उच्च न्यायालय परिसर के गेट नंबर-5 पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी जनपद न्यायाधीश जैनेन्द्र कुमार पाण्डेय ने दीप प्रज्ज्वलित कर और मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया। इस अवसर पर अपर जिला जज एवं नोडल अधिकारी प्रकाश तिवारी, अपर जिलाधिकारी एवं नोडल अधिकारी राज बहादुर सिंह, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव कुँवर मित्रेश सिंह कुशवाहा सहित न्यायिक अधिकारी, कर्मचारी, पराविधिक स्वयंसेवक, नामिका अधिवक्ता और लीगल एड डिफेंस काउंसिल के अधिवक्ता मौजूद रहे।

दिव्यांगों को ट्राइसाइकिल, महिलाओं को पेंशन के प्रमाण पत्र

शिविर के दौरान विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत पात्र लाभार्थियों को सहायता सामग्री और स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किए गए। दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग की ओर से दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल दी गई, जबकि मत्स्य विभाग की ओर से आइस बॉक्स युक्त मोपेड वितरित की गई। मुख्यमंत्री युवा योजना के तहत बैंक के माध्यम से व्यापार ऋण वितरित किए गए। वहीं, क्षय रोगियों को पोषण सहायता के लिए पुष्टाहार पोटली दी गई।

कई विभागों ने लगाए स्टॉल और हेल्प डेस्क

शिविर में शासन के विभिन्न विभागों ने अपने स्टॉल और हेल्प डेस्क लगाए। इनमें विकास एवं खंड विकास विभाग, समाज कल्याण, दिव्यांग सशक्तिकरण, महिला एवं बाल कल्याण, शिक्षा, कृषि, मत्स्य पालन, श्रम कल्याण, पुलिस, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, कौशल विकास, उद्योग, राजस्व, परिवहन, आवास एवं नगर विकास विभाग शामिल रहे। इसके अलावा बैंक एवं बीमा योजनाओं, नाबार्ड, केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पादप अनुसंधान, नगर पालिका परिषद, डूडा, खाद्य सुरक्षा एवं रसद विभाग तथा स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी सहभागिता की। विभागीय अधिकारियों ने लोगों को योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और मिलने वाले लाभ की जानकारी दी।

वकील का अपहरण, हत्या करके लाश कानपुर में फेंकी

कालपी बार संघ के 4 बार अध्यक्ष रह चुके थे, फाइल देने के बहाने बुलाया था

तमसा संकेत, एजेंसी

जालौन । जालौन के कालपी बार संघ अध्यक्ष की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। गयादीन अहिरवार (70) को शनिवार रात कानपुर-झांसी हाईवे पर दुर्गा मंदिर चौराहे से कार सवार बदमाशों ने अगवा कर लिया था। रविवार सुबह कानपुर के सचेंडी इलाके में शव मिला।

गयादीन को फोन कर केस की फाइल के बारे में बात करने के बहाने बुलाया था। वहीं से उन्हें किडनैप कर उरई की ओर ले गए। इसके बाद से उनका मोबाइल फोन बंद आने लगा। जिस नंबर से उन्हें फोन किया गया, वह भी स्विच ऑफ हो गया था।

एसपी सुरेश चंद्र रावत ने बताया कि शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रारंभिक जांच में

जमीन विवाद की बात सामने आई है। 2 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। वारदात में इस्तेमाल कार और हथियार बरामद करने की कोशिश हो रही है।

गयादीन के बेटे हर्ष ने बताया कि पापा 31 अक्टूबर को उरई कोर्ट में मुकदमे की पैरवी के लिए गए थे। उरई से वापस आते समय दोपहर साढ़े 3 बजे फोन करके कहा कि मैं उरई से वापस आ रहा हूं। मुन्ना फुल पावर चौराहा से मुझे पिक कर लो।

सिविल और क्रिमिनल मामलों की वकालत कर रहे थे

गयादीन अहिरवार जिला मुख्यालय से 35 किमी दूर कालपी कोतवाली के कागजीपुरा इलाके के रहने वाले थे। चौथी बार कालपी बार संघ के अध्यक्ष बने थे। 8 मई 2026 को हुए चुनाव में उन्होंने जीत हासिल की थी। 1981 से कालपी में सिविल और क्रिमिनल मामलों की वकालत कर रहे थे। परिवार में पत्नी राजेश्वरी (68), तीन बेटे और दो बेटियां हैं। बड़ा बेटा सौरभ (40) लखनऊ में काम करता है। छोटा बेटा हर्षमित्रा (30) कालपी में घर पर ही रहता है। एक बेटे गौरव मित्रा की 31 अक्टूबर 2025 को मौत हो गई थी। बड़ी बेटी संघ मित्रा और मणि मित्रा हैं। मणि की शादी हो चुकी है।

राष्ट्रीय एकता दिवस और ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह पर मिशन लाईफ के तहत हुए आयोजन

वॉकाथॉन पौधरोपण और जुंबा से एनटीपीसी टांडा ने दिया स्वस्थ जीवनशैली का संदेश

संदेश

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। राष्ट्रीय एकता दिवस एवं ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह 2026 के अवसर पर रविवार को एनटीपीसी टांडा में स्वास्थ्य, फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की गईं। मिशन LiFE के तहत हुए इन कार्यक्रमों में परियोजना के वरिष्ठ प्रबंधन, कर्मचारियों, उनके परिवारजनों और गरिमा महिला मंडल के सदस्यों ने सहभागिता की। दिनभर चले कार्यक्रमों में वॉकाथॉन, पौधरोपण और जुंबा सत्र के जरिए स्वस्थ और पर्यावरण के

अनुकूल जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अगले चरण में न्यू सप्तरंग क्लब में जुंबा सत्र आयोजित किया गया। इसमें कर्मचारियों, परिवारजनों और महिला मंडल के सदस्यों ने उत्साह के साथ भाग लिया। संगीत की धुन पर आधारित इस फिटनेस गतिविधि के माध्यम से नियमित व्यायाम और शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख राजीव कुमार सिन्हा ने कहा कि राष्ट्रीय एकता की भावना सामूहिक प्रयासों से राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देती है। पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना प्रत्येक व्यक्ति की व्यक्तिगत और सामूहिक जिम्मेदारी है। मिशन LiFE जैसी पहलें दैनिक जीवन में छोटे लेकिन सार्थक बदलाव करने के लिए प्रेरित करती हैं।

सतर्कता शपथ के बाद निकाली वॉकाथॉन

कार्यक्रम की शुरुआत आरोग्यम अस्पताल में सतर्कता शपथ के साथ हुई। इसके बाद एनटीपीसी टांडा के परियोजना प्रमुख राजीव कुमार सिन्हा ने वॉकाथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आरोग्यम अस्पताल से न्यू सप्तरंग क्लब तक आयोजित इस वॉकाथॉन में वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों, उनके परिजनों और गरिमा महिला मंडल के सदस्यों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने पैदल चलकर शारीरिक सक्रियता और नियमित व्यायाम के महत्व का संदेश दिया।

> वॉकाथॉन के बाद 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सामूहिक पौधरोपण किया गया। इस गतिविधि के माध्यम से परिसर में हरित आवरण बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया गया। आयोजन में शामिल लोगों ने पौधे लगाकर प्रकृति के संरक्षण में सहभागिता की।

बंदरों के पुनर्वास के लिए लोरपुर ताजन में बनेगा कपि वन

तमसा में गिरने वाले नालों के प्रदूषण पर 15 दिन में बनेगी कार्ययोजना

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बंदर-मानव संघर्ष रोकने और बंदरों से जुड़ी शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए वन विभाग में टास्क फोर्स गठित की जाएगी। शिकायतों के लिए मोबाइल नंबर जारी करने के साथ लोगों को इसकी जानकारी देने के लिए प्रचार-प्रसार भी कराया जाएगा। भविष्य में बंदरों के पुनर्वास के लिए लोरपुर ताजन ग्राम सभा में विकसित कपि वन का उपयोग किया जाएगा। जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय समिति की बैठक में ये निर्देश दिए गए। बैठक में बंदरों को पकड़ने और उन्हें सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने से जुड़े शासनादेशों की जानकारी समिति के सदस्यों को दी गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को

शासन के दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराने को कहा। साथ ही, बंदरों से जुड़ी समस्याओं और शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए।

जिला गंगा समिति की बैठक में टोंस (तमसा) नदी में गिरने वाले नालों के प्रदूषण नियंत्रण पर चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने इसके लिए 15 दिनों के भीतर बायोरेमेडिएशन की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। जलालपुर में तमसा नदी के किनारे 100 मीटर के दायरे में बने मकानों और चल रहे निर्माण कार्यों का सर्वे कराया जाएगा। अनधिकृत निर्माण पर रोक लगाने के लिए राजस्व, नगर पालिका और वन विभाग की संयुक्त टीम गठित करने को कहा गया। टीम को आगामी मासिक बैठक में सर्वे रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

जिला पर्यावरण समिति की बैठक में संबंधित विभागों को पौधरोपण के बाद जीवित पौधों के प्रतिशत की जानकारी वन विभाग को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी वैभव मिश्रा, प्रभागीय वनाधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

फास्ट न्यूज

अर्पित वर्मा की पुस्तक 'पटेल द साइलेंट सोशलिस्ट' का लखनऊ में विमोचन

अंबेडकरनगर। बसखारी क्षेत्र के बुढ़नापुर निवासी अधिवक्ता अर्पित वर्मा की पुस्तक 'पटेल द साइलेंट सोशलिस्ट' का शनिवार को लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय में विमोचन किया गया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पुस्तक का लोकार्पण किया।

15 नवंबर से शुरू होगी अकबरपुर चीनी मिल में गन्ने की पेराई

अंबेडकरनगर। अकबरपुर चीनी मिल में नए पेराई सत्र की शुरुआत 15 नवंबर से होगी। इससे पहले 12 नवंबर से गन्ना क्रय केंद्रों पर तौल शुरू कर दी जाएगी, जबकि 14 नवंबर से मिल गेट पर भी गन्ने की खरीद शुरू होगी। इस सत्र में मिल प्रशासन ने 85 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई का लक्ष्य निर्धारित किया है। किसानों को गन्ना बेचने के लिए दूर न जाना पड़े, इसके लिए मिल गेट समेत कुल 67 क्रय केंद्र बनाए गए हैं। किसानों को सात नवंबर से गन्ने की पर्चियां उपलब्ध कराई जाएंगी।

सिगरेट लेने के विवाद में पीएसी दरोगा समेत 3 घायल

बाराबंकी । बाराबंकी में वन विभाग गेट के पास सिगरेट लेने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। शुक्रवार रात 11 बजे कहासुनी के बाद हुई मारपीट में पीएसी के दरोगा समेत तीन लोग घायल हो गए। दरोगा के होंठ पर चोट आई, जिसके बाद तीन टांके लगाने पड़े। घायलों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। मेडिकल जांच में दरोगा के शरीर में अल्कोहल की पुष्टि होने की बात भी सामने आई है।

भाजपा की प्रदेश सूची में दिवंगत राम सूरत मौर्य को बना दिया सदस्य

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। भाजपा के श्रम प्रकोष्ठ की प्रदेश स्तरीय सूची में अंबेडकरनगर के दिवंगत नेता राम सूरत मौर्य का नाम शामिल होने से संगठनात्मक कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। टांडा विधानसभा क्षेत्र के निवासी राम सूरत मौर्य का निधन एक साल से अधिक समय पहले हो चुका है। इसके बावजूद प्रदेश स्तर से जारी सूची में उन्हें श्रम प्रकोष्ठ का सदस्य बना दिया गया है। सूची सामने आने के बाद स्थानीय राजनीतिक हलकों में इसकी चर्चा शुरू हो गई है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की ओर से जारी श्रम प्रकोष्ठ की सूची में राम सूरत मौर्य का नाम सदस्य के रूप में दर्ज है। पार्टी के एक दिवंगत नेता को संगठनात्मक जिम्मेदारी दिए जाने की जानकारी सामने आने के बाद सूची तैयार करने और जारी करने से पहले नामों के सत्यापन की प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं। सोशल मीडिया पर सूची प्रसारित होने के

> एक साल पहले हो चुका है निधन, फिर भी श्रम प्रकोष्ठ की सूची में मिला पद नाम सामने आने के बाद संगठनात्मक सत्यापन पर उठे सवाल

बाद लोग यह सवाल उठा रहे हैं कि प्रदेश स्तर पर पदाधिकारियों और सदस्यों के नाम तय करते समय संबंधित लोगों की मौजूदा स्थिति की जानकारी क्यों नहीं जुटाई गई। संगठनात्मक सूची तैयार करने में स्थानीय इकाइयों से समन्वय और नामों की पुष्टि की प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों में जुटी है।

पीईटी में 4,630 अभ्यर्थियों ने छोड़ी परीक्षा हर चौथा परीक्षार्थी रहा अनुपस्थित

जिले के 23 केंद्रों पर दो पालियों में हुई परीक्षा, 19,632 पंजीकृत अभ्यर्थियों में 15,002 हुए शामिल दूसरी पाली में अधिक रही गैरहाजिरी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2026 में रविवार को जिले के 23 केंद्रों पर दोनों पालियों में कुल 4,630 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के लिए 19,632 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था। इनमें 15,002 ने परीक्षा दी। कुल उपस्थिति 76.42 प्रतिशत रही, जबकि 23.58 प्रतिशत अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल नहीं हुए। आंकड़ों के मुताबिक, पंजीकृत अभ्यर्थियों में लगभग हर चौथे परीक्षार्थी ने परीक्षा छोड़ दी।

परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई। दोनों पालियों में अभ्यर्थियों की संख्या समान रखी गई थी। पहली पाली में 9,816 अभ्यर्थियों को परीक्षा देनी थी। इनमें 7,508 उपस्थित हुए, जबकि 2,308 अनुपस्थित रहे। इस पाली में उपस्थिति 76.49 प्रतिशत दर्ज की गई। दूसरी पाली में भी 9,816 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें 7,494 ने परीक्षा दी और 2,322 गैरहाजिर रहे। दूसरी पाली में उपस्थिति 76.34 प्रतिशत रही।

दूसरी पाली में 14 अधिक अभ्यर्थी रहे गैरहाजिर

दोनों पालियों के आंकड़ों की तुलना करें तो पहली पाली के मुकाबले दूसरी पाली में 14 अभ्यर्थी अधिक अनुपस्थित रहे। पहली पाली में 2,308 परीक्षार्थियों ने परीक्षा नहीं दी थी, जबकि दूसरी पाली में यह संख्या बढ़कर 2,322 हो गई। इसी अनुपात में दूसरी पाली की उपस्थिति भी पहली पाली से थोड़ी कम रही। दोनों पालियों में कुल 15,002 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।

जम्मूतवी एक्सप्रेस के सामने कूदे सेवानिवृत्त दरोगा, मौके पर मौत

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर रेलवे स्टेशन पर रविवार सुबह जम्मूतवी एक्सप्रेस की चपेट में आने से 65 वर्षीय सेवानिवृत्त दरोगा की मौत हो गई। बताया गया कि उन्होंने ट्रेन के सामने छलांग लगा दी थी। घटना जीआरपी कार्यालय के सामने प्लेटफार्म नंबर एक पर हुई। सूचना पर पहुंची जीआरपी और स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक की पहचान इंद्र कुमार यादव के रूप में हुई। वह अयोध्या जिले के महाराजगंज थाना क्षेत्र के मड़ियावा गांव के मूल निवासी थे। करीब तीन वर्ष पहले लखनऊ मुख्यालय से दरोगा पद से सेवानिवृत्त हुए थे। इसके बाद से वह अकबरपुर की मुरादाबाद स्थित साबुन वाली गली में परिवार के साथ रह रहे थे। परिजनों के मुताबिक, इंद्र कुमार यादव रविवार सुबह टहलने के लिए घर से निकले

> अकबरपुर स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर हुई घटना, तीन साल पहले लखनऊ मुख्यालय से हुए थे सेवानिवृत्त आत्महत्या की वजह तलाश रही पुलिस

थे। इसी दौरान वह अकबरपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर पहुंचे। यहां कोलकाता से जम्मू जा रही जम्मूतवी एक्सप्रेस के सामने छलांग लगा दी। ट्रेन की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

जनता दर्शन में आई महिला को सीएम योगी ने पति के इलाज का दिया भरोसा

'घबराइए मत उपचार में नहीं आने देंगे कोई दिक्कत'

> 150 लोगों की समस्याएं सुनीं मुख्यमंत्री ने, समाधान के लिए अधिकारियों को दिए दिशानिर्देश

> मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनता की समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं। मिलने आए लोगों को आश्वस्त करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी।

तमसा संकेत, संवाददाता

गोरखपुर। शनिवार शाम गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान एक महिला ने मस्तिष्क आघात से पीड़ित पति के ऑपरेशन में मदद का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने महिला से उसके पति के अब तक हुए उपचार की जानकारी ली और पूरे सहयोग का भरोसा देते हुए कहा- 'घबराइए मत, आपके पति के उपचार में कोई दिक्कत नहीं आने देंगे। इसके लिए विवेकाधीन कोष से भी आर्थिक मदद उपलब्ध कराई जाएगी।' मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में आई एक अन्य बीमार महिला को समुचित इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। रविवार को जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 150 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक जाकर मुख्यमंत्री ने उनकी समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्र लेकर अधिकारियों को समस्या समाधान के लिए जरूरी दिशानिर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभी की समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतोषप्रद होना चाहिए। अपराध व जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर सीएम ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों व भू माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों को लेकर आई थीं। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को खूब दुलारा और चॉकलेट के साथ आशीर्वाद दिया।

वाराणसी में जेडीयू विधायक ने उड़ाए 500-500 के नोट

वाराणसी । यूपी विधानसभा चुनाव 2027 से पहले वाराणसी में JDU ने अपनी सियासी सक्रियता बढ़ा दी है। रविवार को रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के कोरौता स्थित रामलीला मैदान में पार्टी का राज्य स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। इस दौरान मंच पर ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसने सभी को चौंका दिया।

कार्यक्रम में JDU विधायक अमरेंद्र पांडेय ने जादूगर के करतब दिखाने के दौरान मंच से 500-500 रुपए के नोट उड़ाने शुरू कर दिए। देखते ही देखते मंच पर नोटों की बारिश होने लगी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, विधायक ने कुल कितनी रकम उड़ाई, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। सम्मेलन में मंच पर जादूगर अपने करतब दिखा रहा था। इसी दौरान विधायक अमरेंद्र पांडेय ने अचानक जेब से 500-500 रुपए के नोट निकाले और हवा में उछालने लगे।

शादी के श्लोक गाली हैं :पूर्व जिलाध्यक्ष शिवशंकर यादव

काशी के जिलाध्यक्ष ने तेरहवीं में ब्राह्मणों को नहीं बुलाया

तमसा संकेत, एजेंसी

मिर्जापुर। मिर्जापुर में समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष शिवशंकर यादव का रविवार को एक वीडियो सामने आया। इसमें वह ब्राह्मणों और विवाह व तेरहवीं के कर्मकांड को लेकर विवादित टिप्पणी करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा, "शादी में जितने श्लोक बोले जाते हैं, वे एक तरह से गाली हैं।"

शिवशंकर ने आगे कहा कि बनारस के सपा जिलाध्यक्ष लक्कड़ पहलवान ने तेरहवीं में किसी ब्राह्मण को नहीं बुलाया था। अखिलेश यादव ने भी उनके इस फैसले का समर्थन किया था।

मामले में शिवशंकर यादव से बात की। उन्होंने कहा, "यह वीडियो 15-20 साल पुराना है। इसे एडिट करके सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया है, ताकि मेरी छवि खराब की जा सके। मैं

ब्राह्मणों का बहुत सम्मान करता हूं।" वीडियो सामने आने के बाद विंध्याचल में ब्राह्मण समाज के लोगों ने विरोध जताया। परशुराम सेना अकोढ़ी ने शिवशंकर यादव का पुतला फूंका और सपा नेता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। बताया जा रहा है कि सपा नेता शिवशंकर यादव किसी कार्यक्रम में शामिल हुए थे। वहां वह अपने समाज के लोगों को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने ब्राह्मणों और कर्मकांड पर टिप्पणी की। शिवशंकर यादव ने कहा, "हमने अध्ययन किया है। शादी में जितने श्लोक बोले जाते हैं, एक तरह से वे गाली हैं।

पृष्ठ 01 का शेष...

किसानों को हुए नुक...

हम एक नया पैकेज अन्नदाता किसानों के लिए लाएंगे, जिसके माध्यम से किसानों को हुए नुकसान की भरपाई की जाएगी।
सीएम योगी रविवार को चौरीचौरा में 59 .44 करोड़ रुपये से बने भोपा बाजार (समपार संख्या 147बी) रेल ओवरब्रिज का उद्घाटन करने के साथ ही 287 .56 करोड़ रुपये की लागत वाली कुल 84 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सपा ने अपनी सरकार में उत्तर प्रदेश को अपराध का गढ़ बना दिया था। सपा सरकार अपराध बढ़ाती थी, जबकि डबल इंजन की भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अग्रसर किया। सपा सरकार लूटपाट करने को बदमाश पालती थी, जबकि भाजपा सरकार ने विकास के जरिये बदलाव करके दिखा दिया है। उत्तर प्रदेश अब पतन और शोषण की नहीं, प्रगति व संस्कृति की धरती बन गई है। अब यहां कर्फ्यू, उपद्रव या दंगा नहीं, उत्सव होता है। अखिलेश यादव के समय बाहरी लोग यूपी का नाम सुनकर सौ कोस दूर भागते थे। आज यूपी वालों की आवभगत व सम्मान किया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और सपा के लोग किस मुंह से नैतिकता की बात करते हैं। सपा सरकार में नारा चलता था- देख सपाई, बिटिया घबराई। बेटी स्कूल जाने से और व्यापारी कारोबार करने से डरता था। पर्व-त्योहार के पहले दंगे-उपद्रव शुरू हो जाते थे। लूटपाट, गरीबों की जमीन पर कब्जे आम थे। सपा का मतलब है बदमाश को बुलावा, जबकि भाजपा का मतलब है बदलाव का सारथी बन जाना। सपा ने चार बार सरकार बनाई और 1500 दंगे करवाए। 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन माफिया' दिया। 10 लाख गुंडे पाले, जो हर जिले में लूटपाट व अराजकता फैलाते थे। सपा और भाजपा की सरकार में अंतर समझाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने 10 वर्षों में 10 लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी दी। 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन मेडिकल कॉलेज', 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' और 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन कुजीन' दिया। माफिया को मिट्टी में मिलाने का काम भी किया।

दिल्ली में विपक्ष की...

राहुल गांधी विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे हैं।
नितिन नवीन ने कहा कि राहुल गांधी को देश की 140 करोड़ जनता पर विश्वास नहीं है, उन्हें 3 करोड़ घुसपैठियों पर विश्वास है। राहुल गांधी आपकी मंशा क्या है? लोकतंत्र में सबसे बड़ा वोट होता है, जनता का वोट। और जनता ने जब-जब वोट दिया है, आप हारे हैं। नितिन नवीन ने आरोप लगाया कि आज संविधान की प्रति लेकर घूमते हो, लेकिन संविधान को तार-तार भी इसी कांग्रेस ने किया है। यह पूरी तरह से कांग्रेस की विरासत है, जो वोट चोरी भी करती है और जनता के मत का भी अपमान करती है। नितिन नवीन ने कहा- 1 नवंबर 1984 को सिख भाइयों का कत्लेआम हुआ था। तब राहुल गांधी के पिताजी ने कहा था कि जब बड़ा पेड़ गिरता है, तो धरती कांपती है। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने रोहतक में कहा- ये पदयात्रा देश के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए है। लोग पूछते हैं कि दिल्ली से लेकर ज्यादातर राज्यों में आपकी सरकार है, तो लोकतंत्र बचाने की जरूरत क्यों पड़ी? जब ऐसा विपक्ष हो, जो जनादेश का अपमान करता हो, तब जनता के साथ सड़कों पर लोकतंत्र की आवाज बनकर उन्हें चुनौती देने का काम एनडीए का कार्यकर्ता करता है। हिमाचल प्रदेश के शिमला में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च के लिए शिमला में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता इकट्ठे हुए। इसका समापन चौरा मैदान में एक रैली में होगा।
जेपी नड्डा ने कहा कि त्योहारों का सीजन है। साल भर व्यापारी इंतजार करते हैं कि त्योहारों में दो पैसे कमाई होगी। लेकिन राहुल को इनकी परवाह नहीं। CTI ने चार-चार बार उन्हें चिट्ठी लिखकर गुहार लगाई कि इतना बड़ा प्रदर्शन मत करिए लेकिन राहुल के तमाशे के कारण 10 हजार करोड़ का नुकसान होने की आशंका है।

आजम को कोर्ट ने 14...

जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण में सरकारी पैसे के इस्तेमाल को लेकर 50 से ज्यादा सवाल किए। 29 अक्टूबर को हाईकोर्ट ने 2 पैन कार्ड मामले में आजम खान और बेटे अब्दुल्ला की 10 साल की सजा सस्पेंड कर दी थी। दोनों को जमानत दे दी थी। इसके बाद दोनों को रामपुर जेल से रिहा कर दिया गया था। दोनों 11 महीने से जेल में बंद थे। रिहा होने के बाद आजम के बेटे अब्दुल्ला घर चले गए थे। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा- आजम को मुसलमान होने की सजा नहीं मिल रही है। उन्हें यूनिवर्सिटी बनाने की सजा नहीं मिल रही। जो अपराध और भ्रष्टाचार किए हैं, उसकी सजा मिल रही है। मैं मांग करता हूं कि जांच के दायरे में अखिलेश यादव को भी शामिल करना चाहिए। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा- ऐसे हालात में वो भावनात्मक बयान और भावनात्मक बकवास बहादुरी नहीं करेंगे, तो क्या करेंगे? उन्होंने जो कहा और जो किया, उस पर कोर्ट फैसला करेगा।
यूपी के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा- कानून के हाथ लंबे होते हैं। जब व्यक्ति सत्ता के अहंकार में होता है, तो कई बार उसको कानून के इस शिकंजे की परवाह नहीं होती। जो देश का कानून है, वो हर व्यक्ति पर लागू होता है, चाहे वो आजम हों या कोई और। सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा- आजम जैसे ही जेल से बाहर आए, सरकार के इशारे पर ईडी के लोग उन्हें गिरफ्तार करने पहुंच गए। ऐसी जुल्मी सरकारों के खिलाफ बोलना पड़ेगा और उन्हें हटाना होगा।

एसजीपीजीआई भर्ती...

लखनऊ के SDSN डिग्री कॉलेज, SDSN पब्लिक स्कूल और ज्यूरिस कॉलेज ऑफ लॉ समेत आसपास के कई केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई थी। अभ्यर्थियों का आरोप है कि कई केंद्रों पर बायोमेट्रिक जांच में दिक्कत आई। इस वजह से परीक्षा शुरू होने में भी देर हुई। इस पर भी अभ्यर्थियों ने केंद्रों पर हंगामा किया। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों की मांग थी कि सिर्फ कुछ चुनिंदा केंद्रों की परीक्षा रद्द करने से काम नहीं चलेगा। हॉस्पिटल अटेंडेंट की पहली पाली की पूरी परीक्षा रद्द की जाए। अभ्यर्थियों ने परीक्षा में कथित धांधली से जुड़े वीडियो और जानकारियां भी शेयर की हैं। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही गोमती नगर एक्सटेंशन समेत कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। अभ्यर्थियों को समझाकर शांत कराया। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों का कहना था कि वे उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि कई दूसरे राज्यों से परीक्षा देने लखनऊ आए थे। ऐसे में अचानक परीक्षा रद्द होने से उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। उन्होंने सवाल उठाया कि जब परीक्षा की तैयारियां पहले से की गई थीं, तो तकनीकी खामी को समय रहते ठीक क्यों नहीं किया गया?
हंगामे के बीच SGPGI के एग्जामिनेशन सेल के फैकल्टी इंचार्ज डॉ. विजय उपाध्याय ने 3 केंद्रों पर परीक्षा रद्द करने का आदेश जारी किया। उन्होंने इसकी वजह एग्जाम कंडक्टिंग एजेंसी के कामकाज में आई अड़चन बताई। जिन केंद्रों पर परीक्षा रद्द की गई, उनमें SDSN डिग्री कॉलेज, SDSN पब्लिक स्कूल और ज्यूरिस कॉलेज ऑफ लॉ शामिल हैं।

'ज्ञानेश कुमार जेल...

इसका मतलब है कि 2024 का चुनाव अवैध था। ये बात मैं नहीं कह रहा हूं, ये चुनाव आयोग का डेटा है वही कह रहा है। जो मैं कहता हूं कि वो सच होता है। मैंने कोविड के बारे में जो बोला, सच सामने आया।'
राहुल गांधी ने कहा, 'आपने देश को एक मैसेज भेजना था, मोदी शाह को आपने मैसेज भेजा है। यह किसी पार्टी की आवाज नहीं, ये सिर्फ नेताओं की आवाज नहीं। ये आवाज कह रही ह कि हम लोकतंत्र को देश से खत्म नहीं होने देंगे। हम संविधान को नष्ट नहीं होने देंगे। आपके पास जितना भी पैसा या पॉवर है, आप संविधान से बड़े नहीं हो।
राहुल ने ये भी कहा कि सालों से इस देश में वोट चोरी हो रही है। ममता ने बंगाल का उदाहरण दिया, एमपी हरियाणा छत्तीसग़ढ, महाराष्ट्र कर्नाटक और 2024 की लोकसभा सारे चुनावों में वोट चोरी हुई है।
पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जो इस देश की समस्या है, उसको बदलना चाहते हैं, देश को बदलना चाहते हैं। आप आज नहीं बदलेंगे तो बहुत देर हो जाएगी। 2014 तक जितनी सरकारों ने संपत्ति बनाई थी उसे कारोबारी दोस्तों को दे दी। इन्होंने वादे किए थे कि नौकरियां देंगे जो आर्मी में शान से जाते थे, उन्हें भी अग्निवीर बना दिया।

पुरुष टीम ने श्रीलंका को 54-20 से हराया, महिला टीम ने युगांडा को 35-15 से मात देकर जीता गोल्ड

भारत बना पहला कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियन

जीत

नई दिल्ली, एजेंसी

पहले हाफ में भारतीय खिलाड़ियों ने एक भी रेड नहीं गंवाई। युगांडा के डिफेंडर्स अपने सभी 9 टैकल अटेम्प्ट्स में नाकाम रहे। दूसरे हाफ में युगांडा ने रेड पॉइंट्स में 7-6 की बढ़त बनाई, लेकिन भारत ने एक और ऑल-आउट कर मुकाबला 35-15 से जीत लिया।

भारत ने अहमदाबाद में शनिवार (31 अक्टूबर) को पहले कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप 2026 में डबल टाइटल जीत लिया। भारतीय पुरुष टीम ने फाइनल में श्रीलंका को 54-20 से हराकर पहला कॉमनवेल्थ चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं, महिला टीम ने युगांडा को 35-15 से शिकस्त देकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

पुरुष और महिला दोनों टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए खिताब जीते। पुरुष टीम ने लगातार 8 मुकाबले जीते, जबकि महिला टीम ने सभी 6 मैच अपने नाम किए।

भारतीय टीम ने मैच में 30 रेड और 14 टैकल पॉइंट्स हासिल किए। टीम ने श्रीलंका को 4 बार ऑल-आउट किया, जबकि खुद एक बार भी ऑल-आउट नहीं हुई।

पहले हाफ में भारत ने 15-8 की बढ़त बनाई। इसके बाद टीम ने लगातार दबाव बनाते हुए हाफ-टाइम तक स्कोर 30-10 कर दिया। दूसरे हाफ में भी भारत ने 24 अंक जुटाए, जबकि श्रीलंका 10 अंक ही बना सका। श्रीलंका की टीम ने पूरे मैच में 41 रेड में सिर्फ 7 सफल रेड कीं। उसके लिए मदुवंता ने सबसे ज्यादा 6 टैकल पॉइंट्स बनाए। श्रीलंका के रेडर्स भारतीय डिफेंस के सामने संघर्ष करते नजर आए।

महिला फाइनल में वर्ल्ड चैंपियन भारत ने कप्तान निधि शर्मा की अगुआई में युगांडा को 35-15 से हराया। भारत की ओर से साक्षी ने 10 रेड में 9 अंक हासिल किए। इसमें 2 बोनस अंक शामिल थे। उन्होंने पहले हाफ की सभी 6 रेड में अंक जुटाए।

कप्तान निधि शर्मा ने 5 अंक बनाए, जिनमें 3 बोनस पॉइंट्स शामिल थे। अनु ने 6 रेड पॉइंट्स जोड़े। डिफेंस में रितु और सुमन ने 4-4 टैकल पॉइंट्स हासिल किए।

युगांडा की ओर से नकायंगो शिराट ने सबसे ज्यादा 11 अंक बनाए। उन्होंने टीम की 35 रेड में से 24 रेड कीं, लेकिन बाकी खिलाड़ियों से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला।

महिला फाइनल के पहले हाफ में भारतीय टीम ने शानदार खेल दिखाया। शुरुआत में भारत 7-3 से आगे था। इसके बाद टीम ने 15-4 के स्कोर से बढ़त को 22-7 कर दिया। फाइनल की बेस्ट प्लेयर रहीं साक्षी ने कहा, ‘टीम को गोल्ड मेडल जिताने में 9 रेड पॉइंट्स का योगदान देकर बहुत खुशी हो रही है। गोल्ड जीतने के बाद टीम का माहौल बहुत अच्छा है। इस तरह के

पुरुष टीम ने श्रीलंका को 54-20 से हराया

पुरुषों के फाइनल में एशियन चैंपियन भारत ने शुरुआत से ही श्रीलंका पर दबाव बनाए रखा। भारत के स्टार रेडर आदित्य शिंदे ने 14 रेड में 10 अंक हासिल कर सुपर 10 पूरा किया। इसमें 4 बोनस अंक भी शामिल रहे।

भारत हुड्डा ने दूसरे हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 रेड में 8 अंक जोड़े। वे पूरे मैच में एक बार भी टैकल नहीं हुए। पंकज मोहिते ने 6 और उप-कप्तान नवीन कुमार ने 5 अंक का योगदान दिया। डिफेंस में योगेश दहिया ने 5 टैकल अटेम्प्ट्स में 5 सफल टैकल कर हाई-5 लगाया। शुभम शिंदे, कप्तान सुरजीत सिंह, प्रवेश मलिक और दीपक शंकर ने भी 2-2 टैकल पॉइंट्स हासिल किए।

भारतीय पुरुष टीम ने श्रीलंका को 54-20 से हरा कर पहला कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियनशिप जीता।

आदित्य बोले- अहमदाबाद के दर्शकों से मिला शानदार सपोर्ट

मैच के बाद भारत के लिए सबसे ज्यादा अंक बनाने वाले आदित्य शिंदे ने कहा, लगातार ज्यादा टूर्नामेंट होने से अहमदाबाद के लोगों को भी फायदा हो रहा है। हमें यहां दर्शकों का बहुत अच्छा सपोर्ट मिला। उम्मीद है कि आने वाली प्रतियोगिताओं में भी लोग इसी तरह हमारा समर्थन करेंगे। जीत का जश्न बहुत बड़े स्तर पर मनाया जाएगा और इसकी शुरुआत हो चुकी है।

सिंधु और लक्ष्य सेन हाइलो ओपन बैडमिंटन के फाइनल में

दोनों ने सीधे गेम में सेमीफाइनल जीते भारत के पास डबल टाइटल जीतने का मौका

नई दिल्ली। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन ने 5 लाख डॉलर (करीब 4.4 करोड़ रुपए) इनामी राशि वाले हाइलो ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है।

जर्मनी के सारब्रुकेन शहर में चल रहे टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों ने शनिवार को अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले सीधे गेम में जीते। आज दोनों के पास टाइटल जीतने का मौका है।

महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल में पूर्व वर्ल्ड चैंपियन सिंधु का सामना भारत की 19 साल की अनमोल खरब से था। पहले गेम में अनमोल ने शुरुआत में 4-2 की बढ़त बनाई, लेकिन सिंधु ने आक्रामक खेल और सटीक नेट प्ले के दम पर वापसी की। ब्रेक तक सिंधु 11-9 से आगे थीं। ब्रेक के बाद

सिंधु ने अपनी बढ़त 15-10 कर ली। इसके बाद उन्होंने 7 गेम प्वाइंट हासिल किए और अनमोल की रिटर्न बाहर जाने पर पहला गेम 21-13 से जीत लिया। दूसरे गेम में दोनों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। एक समय स्कोर 8-8 और फिर 13-13 से बराबर था। अनमोल ने लगातार अंक हासिल कर 15-13 की बढ़त बनाई, लेकिन सिंधु ने जल्द ही स्कोर 15-15 कर दिया। सिंधु ने लगातार दबाव बनाए रखा और चार मैच प्वाइंट हासिल किए।

सिंधु बोलीं- विरोधी कोई भी हो, अपना 100% देना लक्ष्य था

जीत के बाद सिंधु ने कहा, ‘मैं अनमोल के खिलाफ काफी लंबे समय बाद खेल रही थी। सेमीफाइनल में दो भारतीय खिलाड़ियों का होना अच्छी बात है। विरोधी खिलाड़ी चाहे कोई भी हो या उसकी रैंकिंग कुछ भी हो, मेरा ध्यान सिर्फ अपने खेल पर 100% देने पर था। मुझे खुशी है कि मैं फाइनल में पहुंच गई हूं। उन्होंने आगे कहा, मैं खुश हूं कि पूरे मैच में बढ़त बनाए रखी और उसे लगातार बढ़ाते हुए दो गेम में मुकाबला खत्म किया। उम्मीद है कि रविवार को फाइनल में भी यही लय बरकरार रखूंगी।

मेदवेदेव को 6-4, 7-6 से हराया, खिताबी मुकाबले में एलेक्स दे मिनाउर से टक्कर

वियना ओपन के फाइनल में पहुंचे कार्लोस अल्काराज

नई दिल्ली। कार्लोस अल्काराज ने वियना ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में डेनिल मेदवेदेव को सीधे सेटों में 6-4, 7-6 (7-2) से हराकर पहली बार फाइनल में जगह बना ली है। अल्काराज के करियर का यह 37वां और इस साल का 5वां टूर-लेवल फाइनल है।

दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स दे मिनाउर ने बड़ा उलटफेर करते हुए जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-4, 1-6, 7-6 (7-4) से हराया। रविवार को होने वाले फाइनल में अल्काराज और दे मिनाउर आमने-सामने होंगे।

कार्लोस अल्काराज का ATP 500 टूर्नामेंट्स में शानदार प्रदर्शन जारी है। यह इस कैटेगरी के इवेंट्स में उनकी लगातार 25वीं जीत है।

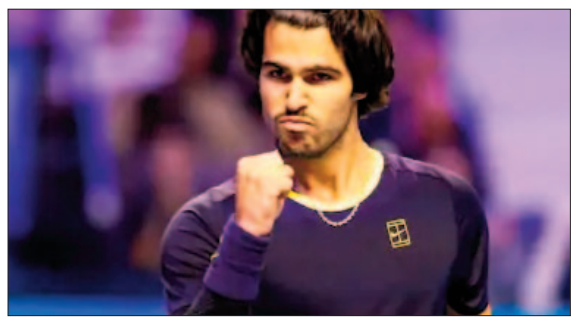

अल्काराज और मेदवेदेव दोनों अगले महीने होने वाले सीजन के आखिरी टूर्नामेंट ATP फाइनल्स के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुके हैं। दे मिनाउर ने पहला सेट 6-4 से जीता, लेकिन दूसरे सेट में ज्वेरेव ने 6-1 से वापसी की। निर्णायक सेट टाई-ब्रेकर तक पहुंचा, जहां दे मिनाउर ने 7-4 से जीत दर्ज की। उन्होंने मुकाबला 6-4, 1-6, 7-6 (7-4) से अपने नाम किया। ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स दे मिनाउर वियना में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को सेमीफाइनल में हराने के बाद जश्न मनाते हुए। ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स दे मिनाउर वियना में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को सेमीफाइनल में हराने के बाद जश्न मनाते हुए।

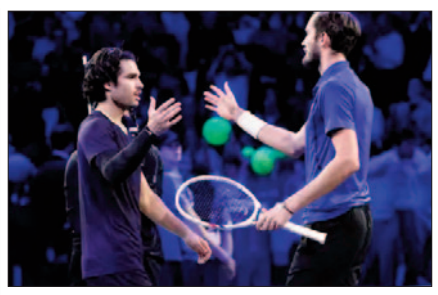

मेदवेदेव को हराकर मार्च की हार का बदला लिया

शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में अल्काराज ने शानदार शुरुआत की। उन्होंने पहला सेट 6-4 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में मेदवेदेव ने वापसी की और मुकाबला टाई-ब्रेकर तक पहुंचा दिया। टाई-ब्रेकर में अल्काराज ने दमदार ग्राउंडस्ट्रोक्स के दम पर 7-2 से जीत दर्ज की। उन्होंने 96 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ अल्काराज ने मार्च में इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में मेदवेदेव के हाथों मिली हार का बदला भी ले लिया। मेदवेदेव का लगातार 7 मैच जीतने का सिलसिला भी टूट गया।

इस जीत के साथ दे मिनाउर ने इस सीजन इनडोर हार्ड कोर्ट पर अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा है। वह अब तक 10 मैच जीत चुके हैं और एक भी मुकाबला नहीं हारे हैं। यह उनके करियर का 23वां टूर-लेवल फाइनल होगा। इस जीत से अगले महीने होने वाले ATP फाइनल्स में जगह बनाने की उनकी उम्मीदें भी मजबूत हुई हैं। वियना ओपन का फाइनल रविवार को भारतीय समयानुसार दोपहर 1 बजे खेला जाएगा।

दूसरे सेमीफाइनल में एलेक्स दे मिनाउर ने जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को तीन सेट तक चले मुकाबले में हराया। ज्वेरेव के सोमवार को वर्ल्ड नंबर-1 बनने की पुष्टि हो चुकी थी।

मनोरंजन

विल स्मिथ ने दिया था फिल्मों का ऑफर, फिर भी छोड़ीं कई बड़ी फिल्में, मिस वर्ल्ड का ताज जीतकर बनीं ग्लोबल स्टार

53 साल की हुई ऐश्वर्या

नई दिल्ली। ऐश्वर्या राय बच्चन आज अपना 53वां जन्मदिन मना रही हैं। मिस वर्ल्ड 1994 का खिताब जीतने से पहले ही उन्हें फिल्मों के ऑफर मिले थे, लेकिन उन्होंने पढ़ाई और मिस इंडिया प्रतियोगिता को प्राथमिकता दी। इसके बाद उन्होंने तमिल और हिंदी फिल्मों से करियर शुरू किया। 'हम दिल दे चुके सनम', 'ताल' और 'देवदास' जैसी फिल्मों ने उन्हें बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में शामिल किया। वहीं, 'ब्राइड एंड प्रेजुडिस', 'द मिस्ट्रेस ऑफ स्पाइसेज', 'प्रोवोक्ड', 'द लास्ट लीजन' और 'द पिंक पैंथर 2' जैसी अंग्रेजी फिल्मों से उन्होंने अंतर-राष्ट्रीय पहचान बनाई। उन्हें 'ट्रॉय', 'रश ऑवर' और विल स्मिथ की कुछ फिल्मों के ऑफर भी मिले, लेकिन व्यस्त शेड्यूल के कारण उन्होंने ये फिल्में नहीं कीं। एक दौर में कान्स से हॉलीवुड तक चर्चा में रहने वाली ऐश्वर्या के करियर में अब फिल्मों की संख्या काफी कम हो गई है।

आज ऐश्वर्या राय बच्चन के 53वें जन्मदिन पर जानिए कि क्या बॉलीवुड में उनके लिए पहले जैसी दमदार भूमिकाएं नहीं रहीं या उन्होंने खुद अपनी रफ्तार धीमी कर दी। ऐश्वर्या राय ने जनवरी 1994 में मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। वह इस प्रतियोगिता में सुष्मिता सेन के बाद दूसरे स्थान पर रही थीं। नवंबर में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के सन सिटी में आयोजित मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस प्रतियोगिता में 86 देशों की प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। ऐश्वर्या ने मिस वर्ल्ड 1994 का खिताब जीता। वह रीता फारिया के बाद मिस वर्ल्ड बनने वाली दूसरी भारतीय महिला बनीं। फाइनल में

ऐश्वर्या के करियर की अहम फिल्मों में संजय लीला भंसाली की 'देवदास' शामिल है।

ऐश्वर्या के मुताबिक, वह पढ़ाई बीच में छोड़कर फिल्मों में नहीं आना चाहती थीं। उन्हें लगता था कि उनके फैसले का असर उन युवाओं पर पड़ सकता था, जो उन्हें अपना आदर्श मानते थे। वह नहीं चाहती थीं कि उनकी सफलता देखकर लोग पढ़ाई छोड़कर सीधे ग्लैमर की दुनिया में आने का फैसला करें।

उनसे पूछा गया था कि उनके मुताबिक मिस वर्ल्ड में कौन-से गुण होने चाहिए। ऐश्वर्या ने जवाब में करुणा, जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशीलता और राष्ट्रीयता, रंग तथा सामाजिक हैसियत से ऊपर उठकर इंसान को देखने की बात कही थी।

मिस वर्ल्ड बनने से पहले ही मिले थे चार फिल्मों के ऑफर

ऐश्वर्या राय बच्चन का फिल्मी सफर मिस वर्ल्ड का ताज जीतने के बाद शुरू नहीं हुआ था। फिल्मों में आने से पहले ही वह मॉडलिंग की दुनिया में पहचान बना चुकी थीं। 1991 में उन्होंने फोर्ड सुपरमॉडल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इसके बाद वह कई बड़े ब्रांड के विज्ञापनों और फैशन मैगजीन में नजर आईं। 1990 के दशक की शुरुआत में ही उन्हें फिल्मों के ऑफर मिलने लगे थे। 2012 में वोग इंडिया को दिए इंटरव्यू में ऐश्वर्या ने बताया था कि मिस इंडिया और मिस वर्ल्ड प्रतियोगिताओं में शामिल होने से पहले उन्हें कम से कम चार फिल्मों के प्रस्ताव मिल चुके थे। ऐश्वर्या ने बताया था कि उस समय उन्होंने फिल्मों में आने के बजाय मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का फैसला किया। वह कुछ समय फिल्म इंडस्ट्री से दूर रहकर करियर के दूसरे विकल्प देखना चाहती थीं।

उन्होंने बताया था कि अगर वह मिस इंडिया प्रतियोगिता में शामिल नहीं होतीं, तो आमिर खान के साथ 'राजा हिंदुस्तानी' उनकी पहली फिल्म हो सकती थी। 1996 में आई इस फिल्म में बाद में करिश्मा कपूर नजर आईं।

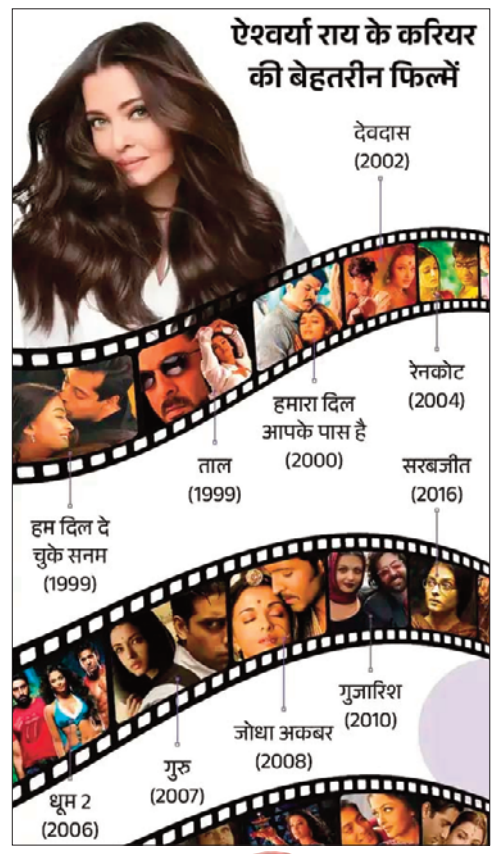

ओरी बने ऋषि कपूर, फिल्म के आइकॉनिक पलों को किया रीक्रिएट

हैलोवीन पर 'नगीना' के श्रीदेवी वाले लुक में दिखीं जाह्नवी

नई दिल्ली। एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर शनिवार को हैलोवीन के मौके पर अपनी दिवंगत मां श्रीदेवी के आइकॉनिक लुक में नजर आईं। उन्होंने 1986 में रिलीज हुई श्रीदेवी की फिल्म 'नगीना' के पोस्टर वाला लुक अपनाया। जाह्नवी ने श्रीदेवी का किरदार निभाया, जबकि ओरी ने दिवंगत ऋषि कपूर का लुक अपनाया। दोनों ने फिल्म के कुछ यादगार पलों को फिर से पेश किया। जाह्नवी ने आइवरी रंग का कढ़ाई वाला आउटफिट और गुलाबी घूंघट पहना। पोस्टर और शूट डायरी की कुछ झलकियों में दोनों पुराने पलों को दोहराते दिखे। जाह्नवी ने इंस्टाग्राम हैंडल पर तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, "हैप्पी हैलोवीन। दुनिया के सबसे आइकॉनिक फिल्मी पलों में से एक को दोहराना जरूरी था।" उन्होंने आगे लिखा, "हैलोवीन पर लोग अपने पसंदीदा किरदारों और पॉप कल्चर के पलों जैसा तैयार होते हैं। कभी यह डरावना

होता है, कभी मजेदार और कभी किसी को श्रद्धांजलि देने जैसा।" एक्ट्रेस ने यह भी लिखा, "मम्मा, ऋषि अंकल और अमरीश सर से ज्यादा आइकॉनिक कौन हो सकता है? इस लुक के लिए से थोड़ी मदद ली।" जाह्नवी की बहन खुशी कपूर ने पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, "तुमने हैलोवीन जीत लिया।" 'नगीना' को हरमेश मल्होत्रा ने डायरेक्ट किया था। उन्होंने ईस्टर्न फिल्म्स के बैनर तले इस फिल्म को प्रोड्यूस भी किया था। फिल्म का स्क्रीनप्ले रवि कपूर ने लिखा था। इसकी कहानी जगमोहन कपूर ने दी थी। 'नगीना' में श्रीदेवी ने रजनी नाम की नागिन का किरदार निभाया था। रजनी अपने पति की मौत का बदला लेने के लिए राजीव से शादी करती है। राजीव का किरदार ऋषि कपूर ने निभाया था। फिल्म में तांत्रिक का किरदार अमरीश पुरी ने निभाया था।

फिल्म की मुख्य कास्ट में कोमल महुवाकर, अमरीश पुरी, सुषमा सेठ और प्रेम चोपड़ा भी शामिल थे। 'नगीना' 28 नवंबर 1986 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल की थी। यह 1986 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बनी थी। श्रीदेवी का फरवरी 2018 में दुबई में निधन हो गया था। उनकी मौत की वजह दुर्घटनावश डूबना बताई गई थी।

हरेदी समुदाय को भी सैन्य सेवा देनी होगी, नेतन्याहू को हटाने के लिए विपक्ष से बातचीत

इजराइल में आइजनकोट ने गठबंधन की चार शर्तें रखीं

मांग

तेल अवीव, एजेंसी

इजराइल में विपक्षी नेता गादी आइजनकोट ने नई सरकार बनाने के लिए 4 शर्तें रखी हैं। इजराइली मीडिया वायनेट के मुताबिक, इनमें हरेदी समुदाय को सैन्य सेवा देना अनिवार्य होगा।

इसके अलावा इजराइल को यहूदी और लोकतांत्रिक देश बनाए रखना और गाजा से हमास का शासन खत्म करना शामिल है। आइजनकोट ने कहा कि इन शर्तों को मानने वाले दलों के लिए गठबंधन में शामिल होने का रास्ता खुला है।

दरअसल, 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में किसी भी गठबंधन को

बहुमत नहीं मिला। 120 सीटों वाली संसद में सरकार बनाने के लिए 61 सीटें जरूरी हैं।

आइजनकोट की पार्टी याशार 21 सीटें जीतकर विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। वे प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को सत्ता से हटाने के लिए अलग-अलग दलों के नेताओं से बातचीत कर रहे हैं।

इजराइल में चुनाव के बाद राष्ट्रपति सभी दलों के नेताओं से बात करते हैं। इसके बाद वे किसी एक सांसद को सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपते हैं। उस सांसद को तय समय में संसद का विश्वास हासिल करना होता है।

इजराइल में सरकार बनाने के लिए चुने गए नेता को शुरुआत में 28 दिन का समय मिलता है। जरूरत पड़ने पर राष्ट्रपति इसे 14 दिन और बढ़ा सकते हैं। यानी सरकार बनाने के लिए कुल 42 दिन मिल सकते हैं।

इस दौरान नेता को दूसरी पार्टियों से बातचीत कर समर्थन जुटाना होता है। इसके लिए पार्टियों के बीच नीतियों और मंत्रिपदों को लेकर समझौते हो सकते हैं।

चुनाव नतीजे आने के बाद से ही आइजनकोट नेतन्याहू विरोधी दलों के नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। उनकी कोशिश ज्यादा से ज्यादा सांसदों का समर्थन जुटाकर राष्ट्रपति इसाक हर्जोग के सामने सरकार बनाने का दावा मजबूत करने की है।

आइजनकोट की 4 शर्तें

पहली शर्त- इजराइल यहूदी और लोकतांत्रिक देश बना रहे

आइजनकोट चाहते हैं कि इजराइल की पहचान यहूदी और लोकतांत्रिक देश के रूप में बनी रहे। सरकार सभी नागरिकों को बराबर अधिकार दे और धर्म या समुदाय के आधार पर किसी से भेदभाव न करे। यानी देश में हर नागरिक की आजादी और अधिकारों का सम्मान हो।

दूसरी शर्त- सभी नागरिकों के लिए सैन्य सेवा जरूरी हो

इजराइल के हर नागरिक को सेना, राष्ट्रीय या नागरिक सेवा करनी जरूरी हो। यानी देश की सेवा की जिम्मेदारी सभी नागरिकों की हो।

फिलहाल इजराइल में यहूदी नागरिकों के लिए सेना में सेवा करना जरूरी है, लेकिन बेहद धार्मिक हरेदी समुदाय को इससे छूट मिलती रही है। इस समुदाय के लोग धार्मिक पढ़ाई के लिए सेना में भर्ती नहीं होते।

आइजनकोट की पार्टी का कहना है कि जब देश सुरक्षा चुनौतियों और युद्ध का सामना कर रहा है, तो सेना में सेवा की जिम्मेदारी किसी एक वर्ग पर नहीं, बल्कि सभी नागरिकों पर होनी चाहिए।

तीसरी शर्त- आजादी के समय तय सिद्धांतों का पालन हो

आइजनकोट चाहते हैं कि नई सरकार 1948 में इजराइल की आजादी के समय तय सिद्धांतों के मुताबिक काम करे। इनमें इजराइल को यहूदी देश बनाए रखने के साथ लोकतंत्र, आजादी, न्याय और सभी नागरिकों को बराबर अधिकार देने की बात शामिल है।

यह शर्त इसलिए जरूरी है क्योंकि नेतन्याहू सरकार के न्यायपालिका में बदलाव करने के फैसले पर विवाद हुआ है। विरोधियों का आरोप है कि इन बदलावों से लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर हो सकती हैं। आइजनकोट ने इन विवादित कानूनों को रद्द करने की भी बात कही है।

चौथी शर्त- गाजा से हमास का शासन खत्म हो

आइजनकोट चाहते हैं कि गाजा में हमास का शासन खत्म हो और उसकी सैन्य ताकत भी खत्म की जाए।

हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हमला किया था। इसमें कई लोग मारे गए और कई को बंधक बना लिया गया। इसके जवाब में इजराइल ने गाजा में सैन्य कार्रवाई शुरू की, जिसमें भारी तबाही हुई और बड़ी संख्या में फिलिस्तीनी मारे गए।

आइजनकोट का मानना है कि इजराइल की सुरक्षा के लिए हमास को दोबारा गाजा की सत्ता में आने से रोकना जरूरी है।

रिटायरमेंट फंड की जरूरत नहीं होगी : मस्क

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क का एक बार फिर दावा है कि भविष्य में रिटायरमेंट के लिए पैसे बचाना बेमानी हो जाएगा। उनके मुताबिक जरूरत की हर चीज और सुविधा इतनी ज्यादा मात्रा में बन जाएगी कि जमा पूंजी का कोई महत्व नहीं रह जाएगा। मस्क पिछले कुछ सालों से लगातार कह रहे हैं कि AI और रोबोटिक्स से चीजें बहुत तेजी से सस्ती बनेंगी। इसके बाद काम करने, सैलरी पाने और पैसे बचाने का पारंपरिक तरीका खत्म हो जाएगा। मस्क ने 'X' पर एक यूजर के पोस्ट का जवाब देते हुए यह बात कही। विव ने लिखा था कि अपने हर उल्टे-सीधे खर्चे को मैं बस यही कहकर सही मान लेता हूं कि आगे चलकर तो सब भरपूर होने वाला है। अब ऐसा भी नहीं कि पूरी तरह से लापरवाह हो जाओ, पर हां कुछ सालों में इनमें से ज्यादातर चीजों से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला।

एक्सपर्ट्स बोले- दावा गलत निकला तो लोग सड़क पर आ जाएंगे

मस्क ने हाल ही में अपने विजन को विस्तार से समझाते हुए कहा था कि रोबोटिक्स और स्पेस ट्रैवल में होने वाले बड़े सुधार एक 'मल्टी-प्लेनेटरी इकोनॉमी' को जन्म देंगे।

उन्होंने कहा कि इस मुकाम पर पहुंचने के बाद पारंपरिक करेंसी का कोई महत्व नहीं रहेगा। जब उत्पादन की कोई सीमा नहीं होगी, तो आर्थिक लेनदेन का तरीका पूरी तरह बदल जाएगा। मस्क का मानना है कि AI, एनर्जी सेक्टर और रोबोटिक्स मिलकर प्रोडक्शन कैपेसिटी को कई गुना बढ़ा देंगे।

फास्ट न्यूज

दिवाली से पहले कॉमर्शियल सिलेंडर 17 तक महंगा

नई दिल्ली । कॉमर्शियल सिलेंडर आज से 17 रुपए तक महंगा हो गया है। आज से आपके मोबाइल पर अनजान नंबर से कॉल आने पर नंबर के साथ कॉलर का असली नाम भी दिखेगा। टोल प्लाजा के 20km के दायरे में रहने वाले वाहन मालिकों को 1 साल का लोकल फास्टैग पास मिलेगा।

नेपाल की सबसे गहरी झील में बर्फबारी के बीच 6 भारतीय फंसे

काठमांडू। नेपाल के शे-फोक्सुंडो नेशनल पार्क इलाके में भारी बर्फबारी की वजह से छह भारतीय पर्यटक फंस गए हैं। उनकी सुरक्षा के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिली है। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि ये लोग शनिवार की दोपहर से यहां फंसे हुए हैं। इन्हें बचाने के प्रयास जारी हैं। डोल्पा की मुख्य जिला अधिकारी जूनू धाकल ने बताया कि ये पर्यटक शे-फोक्सुंडो ग्रामीण नगर पालिका के वार्ड नंबर 8 में 'धो' इलाके गए थे, जो अब भारी बर्फ से ढका हुआ है।

फोन पर अनजान कॉलर का नाम दिखाना कल से अनिवार्य

नई दिल्ली । कल यानी 1 नवंबर 2026 से आपके फोन पर जब भी किसी अनजान नंबर से कॉल आएगा, तो स्क्रीन पर नंबर के साथ उस व्यक्ति का असली नाम भी दिखेगा। यह नाम वही होगा जो उसने सिम खरीदते समय सरकारी ID (जैसे आधार) में दिया था। दूरसंचार विभाग ने सभी टेलीकॉम कंपनियों के लिए इस नियम को लागू करना अनिवार्य कर दिया है।

जापान के तट के पास 6.0 तीव्रता का भूकंप सुनामी का अलर्ट नहीं

समुद्र में 352केएम की गहराई पर केंद्र

टोक्यो, एजेंसी

जापान के मी प्रांत के तट के पास रविवार सुबह 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (USGS) के मुताबिक, भूकंप का केंद्र भूकंप का केंद्र मी प्रांत की राजधानी त्सु से करीब 110 किलोमीटर दक्षिण में था।

त्सु की आबादी 2.5 लाख से ज्यादा है। भूकंप समुद्र में जमीन से 352 किलोमीटर की गहराई में आया। भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई। फिलहाल किसी के घायल होने या जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। यूरोपियन-मेडिटेरेनियन सीस्मोलॉजिकल सेंटर (EMSC) की वेबसाइट पर लोगों ने बताया कि झटके काफी देर तक महसूस हुए। शुरुआत में हल्के झटके लगे, जो धीरे-धीरे तेज होते गए।

जापान दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। यह चार बड़े टेक्टोनिक प्लेटों पर बसा है और प्रशांत महासागर के 'रिंग ऑफ फायर' का हिस्सा है। हर साल यहां करीब 1500 भूकंप आते हैं, जिनमें से ज्यादातर हल्के होते हैं। जापान के नोटो द्वीप में 2024 में आए भूकंप में करीब 600 लोग मारे गए थे। 2011 में 9.0 तीव्रता के भूकंप और सुनामी ने 18 हजार से ज्यादा लोगों की जान ले ली थी। जापान सरकार ने अगले 30 साल में यहां 75-82 प्रतिशत तक भूकंप के तीव्र होने की चेतावनी दी है। अगर ऐसा हुआ तो 2.98 लाख लोग मारे जा सकते हैं और 2 ट्रिलियन डॉलर (167 लाख करोड़ रुपए) का नुकसान हो सकता है।

जज बोले- दलीलें बेबुनियाद, रिपोर्ट में ट्रम्प और एपस्टीन के बीच संबंध होने का दावा किया गया था

ट्रम्प का 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' पर मानहानि केस खारिज

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका की एक अदालत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' अखबार और उसके मालिक रूपर्ट मर्डॉक पर किया गया अरबों डॉलर का मानहानि केस खारिज कर दिया है।

अखबार ने एक रिपोर्ट में दावा किया था कि ट्रम्प के संबंध बदनाम अमीर कारोबारी जेफरी एपस्टीन के साथ थे। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2003 में एपस्टीन के 50वें जन्मदिन के एक एल्बम में एक चिट्ठी मिली थी, जिस पर ट्रम्प का नाम लिखा था। इस चिट्ठी में एक बिना कपड़ों वाली महिला का रेखाचित्र (स्केच) बना था और अंत में जन्मदिन की बधाई थी।

ट्रम्प ने इसे झूठा बताते हुए कहा था कि उन्होंने ऐसा कोई खत नहीं लिखा, और इससे उनकी छवि को भारी नुकसान पहुंचा है। लेकिन मियामी के जज डैरिन गेल्स ने केस रद्द कर दिया। जज ने कहा कि ट्रम्प यह साबित नहीं कर पाए कि अखबार ने जानबूझकर दुर्भावना से यह खबर छापी थी। उनकी दलीलें बेबुनियाद थीं। जेफ्री एपस्टीन न्यूयॉर्क का करोड़पति फाइनेंसर था। उसकी बड़े नेताओं और सेलिब्रिटीज से दोस्ती थी।

उस पर 2005 में नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगा। 2008 में उसे नाबालिग से सेक्स की मांग करने का दोषी ठहराया गया। उसे 13 महीने की जेल हुई। 2019 में जेफ्री को सेक्स ट्रैफिकिंग के आरोपों में गिरफ्तार किया गया। लेकिन मुकदमे से पहले ही उसने जेल में आत्महत्या कर ली। उसकी पार्टनर घिसलीन मैक्सवेल को 2021 में उसकी मदद करने के आरोपों में दोषी करार दिया गया।

जज बोले- ट्रम्प की दलीलें बेबुनियादी

जज ने ये भी कहा कि ट्रम्प जबरन अखबार की जांच-पड़ताल में कमियां निकालने की कोशिश कर रहे थे।

अदालत ने यह फैसला स्थायी तौर पर सुनाया है, यानी ट्रम्प अब इस मामले को दोबारा अदालत में नहीं ले जा सकते।

बाद में बोले- ईरान के 1-2 ठिकाने उड़ाने बाकी, रिपोर्ट- अमेरिका 4 नवंबर को हमला कर सकता है

ट्रम्प की नेतन्याहू से फोन पर बात

वॉशिंगटन /तेल अवीव, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से शनिवार को फोन पर बातचीत की। यह जानकारी वॉल स्ट्रीट जर्नल ने दी। ट्रम्प ने इसके बाद रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े एक या दो ठिकाने अभी उड़ाना बाकी हैं। वहीं, अमेरिकी न्यूज चैनल MS NOW ने बताया कि वॉशिंगटन ने खाड़ी देशों को ईरान पर नए हमलों के लिए तैयार रहने को कहा है। ये हमले 4 नवंबर से शुरू हो सकते हैं। यह तारीख अमेरिका में मिडटर्म चुनाव के अगले दिन की है।

दो हफ्ते पहले इजराइल के कई लड़ाकू विमानों ने ईरान की

सीमा तक उड़ान भरी थी और फिर लौट आए थे। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, यह सैन्य अभ्यास का हिस्सा था। ट्रम्प इन दिनों 3 नवंबर को होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के प्रचार अभियान में जुटे हैं। इन चुनावों में अमेरिकी संसद के लिए प्रतिनिधि चुने जाएंगे। ईरान के साथ युद्ध और अमेरिका में ईंधन की बढ़ती कीमतें रिपब्लिकन पार्टी के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं। ट्रम्प चुनाव के आखिरी दिनों में अपनी पार्टी के समर्थन को बढ़ाना चाहते हैं। इसी वजह से अमेरिका ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की तारीख आगे बढ़ाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान भी अमेरिकी चुनाव से पहले बातचीत को जानबूझकर लंबा खींच रहा है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शनिवार को अटलांटा में G20 की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ट्रम्प ने ईरान पर दोबारा हमला करने का अभी कोई फैसला नहीं लिया है। उन्होंने कहा,ट्रम्प फिलहाल बातचीत के जरिए मामला सुलझाना चाहते हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर अमेरिका सैन्य कार्रवाई भी कर सकता है।

अमेरिका और इजराइल हमले की तैयारी में

अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका ने हाल के हफ्तों में पश्चिम एशिया में हवाई सुरक्षा सिस्टम, गोला-बारूद और सैन्य उपकरणों की तैनाती बढ़ाई है। साथ ही, उसने अपने सैनिकों और सैन्य सामान को उन ठिकानों से दूसरी जगह भेजना शुरू कर दिया है, जहां ईरान हमला कर सकता है।अमेरिकी रक्षा अधिकारियों का मानना है कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड और इजराइल ने हमले की तैयारी कर ली है। इजराइली न्यूज चैनल KAN के मुताबिक, पिछले हफ्ते अमेरिका के 10 सैन्य मालवाहक विमान इजराइल पहुंचे थे। इनमें हवाई हमलों से बचाव के लिए जरूरी उपकरण होने की बात कही जा रही है। इनका इस्तेमाल क्षेत्र में अमेरिकी और उसके सहयोगी देशों के सैन्य ठिकानों की सुरक्षा के लिए किया जाएगा।

ईरान ने 17 जुलाई को कतर के अल उदीद एयरबेस पर हमला किया था। यह मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सेंट्रल कमांड के क्षेत्रीय वायु मुख्यालय के रूप में काम करता है।

विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में भारतीय बाजार से 34,843 करोड़ निकाले

2026 में अब तक 2.95 लाख करोड़ की निकासी

मुंबई, एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPIs) की बिकवाली का सिलसिला अक्टूबर के महीने में भी जारी रहा। अक्टूबर में FPIs ने भारतीय इक्विटी बाजार से कुल 34,843 करोड़ निकाल लिए हैं। यह लगातार दूसरा महीना है जब विदेशी निवेशकों ने बाजार में भारी बिकवाली की है। ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, दुनिया भर में ऊंची ब्याज दरें और कंपनियों के सुस्त तिमाही नतीजों के अनुमान के चलते विदेशी निवेशकों का सेंटिमेंट प्रभावित हुआ है।

हालांकि, अक्टूबर के आखिरी हफ्ते (26-30 अक्टूबर) के दौरान विदेशी निवेशकों ने रुख बदलते हुए बाजार में 6,300 करोड़ का नेट यानी शुद्ध निवेश किया, जबकि इससे पिछले हफ्ते (23 अक्टूबर को खत्म हुए सप्ताह) में उन्होंने 2,700 करोड़ की बिकवाली की थी।

सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (CDSL) के आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर से पहले सितंबर महीने में भी विदेशी निवेशकों (FPIs) ने भारतीय शेयर बाजार से 35,861 करोड़ निकाले थे। इससे पहले जुलाई में 20,200 करोड़ और अगस्त में 29,631 करोड़ का नेट निवेश आया था।

अक्टूबर की नई बिकवाली को मिलाकर, साल 2026 में अब तक भारतीय इक्विटी बाजार से FPIs का कुल आउटफ्लो 2.95 लाख करोड़ के स्तर पर पहुंच गया है।

मुश्किल : महीनों तक अंडरग्राउंड सुरंगों में रहने को मजबूर रूस-यूक्रेन जंग पांचवें साल में भी जारी

रूसी ड्रोन से बचने गैस पाइपलाइनों में छिपे यूक्रेनी सैनिक

कीव, एजेंसी

रूस-यूक्रेन जंग अब अपने पांचवे साल में हैं। ऐसे में रूस के लगातार ड्रोन हमलों ने यूक्रेन के सैनिकों के लिए जमीन पर खुलेआम चलना मुश्किल कर दिया है। वे पुरानी गैस पाइपलाइनों के अंदर छिपकर रह रहे हैं। करीब 4 फीट चौड़ी इन सुरंगों में सैनिकों को कई हफ्तों से लेकर दो महीने तक गुजारने पड़ते हैं।

कभी रूस से यूरोप तक गैस पहुंचाने वाली ये पाइपलाइन अब यूक्रेनी सैनिकों को खाना, हथियार और दूसरी जरूरी चीजें पहुंचाने का रास्ता बन गई हैं।

इसके बाद पाइपलाइनों में हवा पहुंचाने के लिए वेंटिलेशन सिस्टम लगाया गया। यह इस पूरे काम का सबसे मुश्किल हिस्सा था।

इन पाइपलाइनों के अंदर सैनिकों

को काफी मुश्किल हालात में रहना पड़ता है। रास्ते इतने संकरे हैं कि उन्हें झुककर या घुटनों के बल रेंगते हुए आगे बढ़ना पड़ता है। वहां न सूरज की रोशनी पहुंचती है और न ही ताजी हवा मिलती है। शौचालय के लिए सैनिक प्लास्टिक के बैग और बोतलों का इस्तेमाल करते हैं। पाइपलाइनों में गैस के बचे हुए अंश, धूल और हवा की कमी भी उनके लिए खतरा पैदा करती है। घायल सैनिकों को भी इन्हीं रास्तों से बाहर निकाला जाता है। मोर्चे पर मारे गए सैनिकों के शव भी इन पाइपलाइनों के जरिए बाहर लाए जाते हैं। ड्रोन और थर्मल इमेजिंग तकनीक ने खुले मैदान में सैनिकों की आवाजाही को बेहद खतरनाक बना दिया है। थर्मल इमेजिंग की मदद से ड्रोन जमीन पर मौजूद लोगों के शरीर की गर्मी पहचान सकते हैं। ऐसे में सैनिकों के लिए छिपकर आगे बढ़ना भी आसान नहीं रह गया है।

रूस ने पहले किया था पुरानी पाइपलाइनों का इस्तेमाल

यूक्रेन के कुपियांस्क इलाके में पुरानी गैस पाइपलाइनों का करीब 129 किलोमीटर लंबा नेटवर्क है। पिछले साल के आखिर में रूसी सैनिक इन्हीं पाइपलाइनों के जरिए कुपियांस्क में घुसने में कामयाब हुए थे। इसके बाद यूक्रेनी सेना ने भी जमीन के नीचे से जवाबी कार्रवाई की योजना बनाई। इसके बाद यूक्रेन की नेशनल गार्ड की खुफिया इकाई ने इन पाइपलाइनों के नक्शे जुटाए। साथ ही, इन्हें बनाने वाले पुराने गैस विशेषज्ञों की मदद से भूमिगत रास्तों का इस्तेमाल करने की योजना तैयार की।

इन पाइपलाइनों के जरिए सैनिकों तक खाना और गोला-बारूद पहुंचाया जाता है। इसके लिए छोटी इलेक्ट्रिक गाड़ियों का इस्तेमाल होता है।

दिन में इन गाड़ियों से जरूरी सामान अंदर भेजा जाता है, जबकि रात में खुदाई से निकली मिट्टी की बोरियां बाहर लाई जाती हैं।

चांदी इस हफ्ते 13 हजार रुपए सस्ती, 1.81 लाख आई

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम में इस हफ्ते गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, चांदी की कीमत में 13,071 रुपए की बड़ी गिरावट आई है, जिससे 1 किलो चांदी 1.94 लाख रुपए से घटकर 1.81 लाख रुपए पर आ गई है।

वहीं, सोना भी 1,576 रुपए सस्ता हुआ है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1.41 लाख रुपए से गिरकर 1.40 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

चांदी इस महीने 39,485 रुपए और सोना 8,084 रुपए सस्ता हुआ है। इससे पहले 1 अक्टूबर 2026 को एक किलो चांदी के दाम 2.20 लाख रुपए और 10 ग्राम सोना 1.48 लाख रुपए पर थे। सोना-चांदी की कीमत में गिरावट अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर मजबूत होने और बड़े निवेशकों के ऊंचे दामों पर बिकवाली करने से हो रही है।

ऊंचे भाव पर बिक्रीः त्योहारों से पहले सोना काफी महंगा हो गया था, इसलिए बड़े निवेशकों ने मुनाफा कमाने के लिए अपना सोना बेचना शुरू कर दिया।

मजबूत डॉलर का असरः अंतर-राष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर और बॉन्ड मजबूत हुए, जिससे ग्लोबल मार्केट में सोने की कीमतें नीचे आ गईं।

खरीदारों का हाथ खींचनाः रिकॉर्ड महंगे दाम देखकर आम खरीदारों ने दुकानों से फिलहाल सोने की खरीदारी कम की है।

चांदी का बड़ा इस्तेमाल सोलर और इलेक्ट्रॉनिक्स फैक्टरियों में होता है। वैश्विक मंदी के कारण उद्योगों में इसकी मांग घटी है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676